



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 25, 1978 (चैत्र 4, 1900)
No. 12] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 25, 1978 (CHAITRA 4, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 18 फरवरी 1978

शुद्धि-पत्र

सं० पी०/1780-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/75-प्रशा०-II दिनांक 9 नवम्बर, 1977 में मुद्रित "महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के अनुभाग अधिकारी" शब्दों के स्थान पर महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के लेखा अधिकारी" शब्द पढ़े जाएं।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव

कृते सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० डी० 7 आर० सी० टी० 40—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री अशोक कपूर, आई० ए० एस०, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 1 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से विशेषाधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास, अवर सचिव

कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० ए-19036/3/78-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य पुलिस के अधिकारी तथा केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, हैदराबाद शाखा के पुलिस निरीक्षक श्री एम० रामामर्ती को दिनांक 27-1-78 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष अन्वेषण कोष्ठ में अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० ए-31014/2/76-प्रशासन-I—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा, हरियाणा राज्य पुलिस के निम्नलिखित प्रतिनियुक्त अधिकारी को दिनांक 30-10-77 (पूर्वाह्न) से स्थायी

समाहृति पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में उप-अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद स्थापन का वर्तमान स्थान	राज्य जिसमें प्रतिनियुक्ति पर है	केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की शाखा जहाँ पुलिस उपअधीक्षक के स्थायी पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया
1	श्री देस राज अधीक्षक	सी० आई० यू० (बी) नई दिल्ली	हरियाणा	सी० आई० यू०-III, नई दिल्ली

दिनांक 6 मार्च 1978

सं० पी० एफ०/पी-4/69-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, विद्वान राज्य से प्रतिनियुक्त श्री पी० पी० सिंह, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, पटना को दिनांक 21-2-77 के पूर्वाह्न से प्रगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में तदर्थ आधार पर खरिठ लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

(यह प्रतिनियुक्ति सं० पी० एफ०/पी०-4/69-प्रशा०-5, दिनांक 12-5-77 अधिसूचना में है।)

सं० ए-19036/11/75-प्रशासन-5—प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने पर, श्री एस० बी० पुरकारस्थ, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 4-2-78 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, शिलांग शाखा के अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

उन्हें अपने मूल राज्य आराम में प्रयावर्तित कर दिया गया।

ए० के० हूड,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० पी० एफ०/पी-4/76-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री एस० सी० सूद जी, आई० सी० एफ० एस० द्वारा उनकी सेवाये के० रि० पु० दल को गिर्वर्तित करने के पत्रावरूप, के० रि० पु० दल में पदावधि पर तदर्थ रूप में गृहाण्य कमांडेट के पद पर 11-1-78 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 मार्च 1978

सं० ओ०-II-1082/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर मोहन लामये को अस्थायी रूप से आरामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय

रिजर्व पुलिस दल में जी० डी० ओ० ग्रेड II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 20 फरवरी 1978 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० ई-16013 (1) 1/77-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री प्रफुल्ल चन्द्र राठी भा० पु० से० (उडीसा-56) ने 11 जनवरी 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० राउरकेला दस्पात संयुक्त राउरकेला में उप-महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

यह दिनांक 24-1-78 की गमसंख्यक अधिसूचना का अधिसूचना करती है।

सं० ई-38013 (II) 1/78-कार्मिक—बोकारो से स्थानांतरित होने पर श्री उन्द्र भगत नेगी भा० पु० से० (उ० प०-58) ने 3 फरवरी 1978 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील नगर के उप-महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 10 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली में उप-महानिरीक्षक (भर्ती व प्रशिक्षण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 1 मार्च 1978

सं० ई-32015 (II) 5/77-कार्मिक—राष्ट्रपति, पुनर्नियुक्ति पर कर्नल एन० एस० परी को 6 फरवरी, 1978 के अपराह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट फरक्का बरेज परियोजना का कमांडेंट नियुक्त करते हैं।

सी० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक/के० श्री० सु० ब०

वित्त मन्त्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 5 मार्च 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/सी०/63/75 दिनांक 6-10-76 के अनुक्रम से प्रतिनियुक्ति पर आये श्री जी० बी० नेत, तत्प्राप्त अभियन्ता (सांख्यिक) की नियुक्ति दिनांक 12-11-77 से 1 वर्ष के लिए बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति अर्थात् 77 दिवस की जाती है।

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक बी० एन० पी०/बी०/72/74 दिनांक 5 जनवरी, 1977 के अनुक्रम से प्रतिनियुक्ति पर आये श्री आर० व्ही० के० चारी, सहायक अभियन्ता (मिविल) की

नियुक्ति दिनांक 1-8-77 से 1 वर्ष की अवधि तक बैंक नोट मुद्रणालय में मानक प्रतिनियुक्ति शर्तों के आधार पर निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

कार्यालय के एक स्थायी लेखाधिकारी राजकय सेवा से 28 फरवरी, 1978 अपराह्न को सेवानिवृत्त हो गए हैं।

उनकी जन्म तिथि 6-2-1920 है।

कौ० हि० छाया
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश-प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 24 फरवरी 1978

का० आ० सं० प्रशासन 1/11-144(xiii)/JII/366—
महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

- | | |
|------------------------------|----------------------|
| 1. श्री जगपाल सिंह | 13-1-78
(अपराह्न) |
| 2. श्री गोकुलनाथन अय्यर | 27-1-78 |
| 3. श्री शिवपूजन नैक | 13-1-78 |
| 4. श्री गोपाल स्वरूप भटनागर | 18-1-78 |
| 5. श्री कुलदीप राय भल्ला | 6-1-78 |
| 6. श्री जगदीश प्रसाद अग्रवाल | 9-2-78 |
| 7. श्री सूरज सिंह | 9-2-78 |
| 8. श्री वृज बिहारी लाल | 13-2-78 |

उ० रामचन्द्र राय

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक

बैंगलोर, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ई० एस०-1/एम०/77-78/866—महालेखाकार, कर्नाटक, बैंगलोर के निम्नलिखित, कार्यकारी लेखा अधिकारियों को, लेखा अधिकारियों के ग्रेड में, उनके नाम के आगे सूचित दिनांक से, स्थायी अधिकारियों के पद में नियुक्त किया गया है :-

- | | |
|-----------------------|------------|
| 1. श्री एस० ए० नटराजन | 21-12-1977 |
| 2. श्री आर० रंगराजन् | 21-1-1978 |
| 3. श्री डी० परमशिवन् | 1-2-1978 |

एस० सी० अनरजी
महा लेखाकार

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1978

सं० प्रशासन-1/5-5/प्रमोशन/कार्या० आदेश-688/2585—
नवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, श्री श्रीकृष्ण, इस

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

पश्चिम रेलवे

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1978

सं० एस० ए०/एच० क्यू०/प्रशासन/IX/6/वा० [IV/7645—इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० सी० सी० पीलाड को दिनांक 18-2-1978 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर सर्व्हा पदोन्नत किया है और लेखा परीक्षा अधिकारी (सर्वेक्षण व निर्माण), पश्चिम रेलवे, बम्बई, के पद पर उसी दिनांक से नियुक्त किया है।

अ० ना० विस्वास

मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 68018 (2)/71-प्रशा०—राष्ट्रपति, श्री आर० सुब्रह्मण्यन्, लेखा अधिकारी [रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन विभाग) नई दिल्ली में वरिष्ठ लेखा अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त पर] को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान में, स्थानापन्न के रूप में नियुक्त करने के लिए दिनांक 10 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, अनुक्रम नियम के अर्धन, सर्व्हा नियुक्त करते हैं।

बी० एस० भीर

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 40011 (1)/78/प्रशा०-ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के

अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्हित कर दिया जाएगा/ गया।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या, सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
----------	--------------------------	-------	----------------------------------	-------

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

सर्वश्री

1	के० पद्म- नाभन-I (पी०/18)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण- मदास
2	डी० एन० भार्गव (पी०/90)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद
3	ए० सी० कपूर (पी०/114)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ
4	एस० हरिहर शुभ्र मणि (पी०/161)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
5	बी० एस० वेंकट सुब्बन (पी०/230)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान, पूना
6	पी० पशुपति (पी०/260)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
7	एस० एस० जोशी (पी०/264)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना
8	बी० मुखर्जी (पी०/275)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
9	बी० राम- चन्द्रन (पी०/284)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण— मद्रास।

1	2	3	4	5
10.	पी० एन० दासिर, (पी०/542)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना।
11.	नारायणदास चक्रवर्ती (पी०/617)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
12.	आई० डी० जोशी (पी०/679)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ
13.	ए० पाल राज (ओ०/1)	स्थानापन्न लेखा अधि- कारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
14.	बी० एस० कृष्ण मूर्ति (ओ०/72)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास
15.	सी० एल० जोसेफ (ओ०/251)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नी सेना) बम्बई
16.	एम० आर० उपाध्याय (ओ०/313)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना

2. रक्षा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारी के निधन को खेद के साथ अधिसूचित करते हैं।
उनको, उनके नाम के सामने लिखी तारीख से, विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	निधन होने की तारीख	विभाग की संगठन नफरी से निकाले गए
1.	श्री एस० I के० सिन्हा स्थानापन्न लेखा अधिकारी (ओ०/46)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	6-11-77	7-11-77 (पूर्वाह्न) रक्षा लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता

आर० वेंकटरत्नम
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

सं० 6/100/55-प्रशा० (राज०) 2054—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में श्री के० जयरमण, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 9 फरवरी, 1978 के बोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शर्माद्रि
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/339/78-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्र-पतिजी डा० ए० के० बैनर्जी (भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-II) को 7 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में तदर्थ आधार पर निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप डा० ए० के० बैनर्जी ने 7 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में निदेशक (ग्रेड-II) (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12 (169)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (रसायन) और काबुल में अफगानिस्तान सरकार में आई० टी० ई० सी० कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति पर सामान्य इंजीनियरी उद्योग के विशेषज्ञ श्री एन० के० सेन को, निवर्तन की आयु प्राप्त करने पर, राष्ट्रपति जी दिनांक 30 सितम्बर, 1975 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 12 (648)/70-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) श्री एस० के० बसु, अधीक्षक को दिनांक 2 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० के० बसु ने दिनांक 2 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा

संस्थान, कानपुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ए०-19018/341/78-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग) दिनांक 4 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से श्री सी० एस० चतुर्वेदी, हिन्दी अनुवादक, कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) को तदर्थ आधार पर लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री सी० एस० चतुर्वेदी ने दिनांक 4 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में सहायक सम्पादक (हिन्दी) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु
उप-निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 3 मार्च 1978

सं० ई०-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-11 (7) के श्रेणी 6 भाग 2 के अधीन, "एस० कार्ड-II" प्रविष्टि के पश्चात् "एस० कार्ड-III" जोड़ा जाए।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० प्र० 1/1 (1046)—निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) श्री ए० के० शोम, 28-2-78 के अप-राह्न से निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1 (1101)—श्री जडू प्रसाद, अधीक्षक (अधीक्षास्तर-II) और निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) दिनांक 28 फरवरी, 1978 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 6 मार्च, 1978

सं० प्र० 1/1 (253)—पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में स्थानापन्न उप निदेशक श्री एस० के० मल्लिक दिनांक 28 फरवरी, 1978 को निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं० प्र०-1/1 (322)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी निदेशक श्री पी० सी० माथुर दिनांक 28-2-78 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (267)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बनपुर निरीक्षणालय में भारतीय निरीक्षण सेवा की धातु-रसायन शाखा (श्रेणी-I) के ग्रेड II में स्थायी उप निदेशक निरीक्षण (धातु रसायन) श्री बी० बी० बनर्जी दिनांक 31-1-78 के अपराह्न से निवृत्तमान आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

दिनांक 21 जनवरी 1978

सं० ईस्को (मुआवजा/नीति)/10893.—भारतीय लोहा और इस्पात कम्पनी (शेयर अर्जन) (1976 के केन्द्रीय अधिनियम 89) की धारा 5 (2) के अन्तर्गत भुगतान आयुक्त की हैसियत से मुझे दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं श्री एस० आर० बरुआचौधुरी को जिनकी नियुक्ति केन्द्रीय सरकार के अधिकारी की हैसियत से इस्पात विभाग की अधिसूचना सं० उद्योग 11-8 (108)/76 दिनांक 27-1-78 के माध्यम से की गई थी और जिसकी सूचना हमें 27-1-78 के मंत्रालय के पत्रांक उद्योग (II) 8(108)/76 के अन्तर्गत भेजी गई थी, मैं एतद्वारा अपने लिए और अपनी ओर से भुगतान आयुक्त के रूप में उक्त अधिनियम की धारा 8 और 10 में प्रदत्त सभी या किसी भी अधिकार के सम्पादन के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

पी० के० सरकार

भुगतान आयुक्त

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 मार्च 1978

सं० ए०-19012 (56)/73-स्था० ए०—राष्ट्रपति श्री बी० संजीवा राव, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अ०

प्र०) को 14 फरवरी, 1978 के अपराह्न से स्थानापन्न रूप से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक ग्रयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एच० के० तनेजा

प्रशासन अधिकारी

कृते नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 1861/बी०/40/59/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री टी० पी० गांगुली सरकारी सेवा से वार्धक्य निवर्तन पर 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

सं० 1878/बी०/40/59 (जे० एन० जी०)/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक जी श्री जे० एन० घोष, प्रशासनिक अधिकारी का त्यागपत्र भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से 16-12-1977 (अपराह्न) से स्वीकार कर रहे हैं।

बी० एस० कृष्णस्वामी

महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० 10/112/71 एस० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री बाबू डी० को आकाशवाणी इन्दौर में दिनांक 14-11-77 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 मार्च 1978

सं० 10/93/77-एस० III—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री हरिण कुमार गुप्ता को आकाशवाणी अहमदाबाद में दिनांक 17-1-78 से सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

अ० कु० बसु

प्रशासन उपनिदेशक

कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1978

सं० 6 (22)/62-एस० I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री र० महादेवन, एक्सटेंशन आफिसर, आकाशवाणी, मद्रास की, आकाशवाणी, मद्रास में 17-2-1978 से अग्रेतर आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज

प्रशासन उपनिदेशक

कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

फिल्म प्रभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 28 फरवरी 1978

स० ए०-20012/1/71-एफ० डी० (प्रशामन)—श्री के० सी०, वीखचन्दानी तदर्थ भण्डार अधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली को श्री एस० के० राय के अवकाश लेने पर उनके स्थान पर 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से 23 मार्च, 1978 तक कार्यवाहक सहायक प्रशासनिक अधिकारी, फिल्म प्रभाग, नई दिल्ली में नियुक्त किया गया।

स० न० सिंह

सहायक प्रशासन अधिकारी

कुसे मुख्य निर्माता

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1978

स० 2/1/78-एफ० एफ० डी०—25वें राष्ट्रीय फिल्म समारोह—1978 के प्रवेश पत्र भरने और फिल्म के प्रिन्टस जमा कराने की तारीख 15 से 21 मार्च, 1978 तक बढ़ा दी गई है।

बी० एस० कटारा

फिल्म निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1978

स० ए० 32012/1/76-(एस० जे०)/प्रशासन-1—इस निदेशालय की दिनांक 31 अक्टूबर, 1977 की अधिसूचना संख्या ए० 32012/1/76-(एस० जे०)/प्रशासन-1 में “8 अक्टूबर 1977” शब्दों व अको के स्थान पर कृपया “8 अगस्त 1977” पढ़ें।

दिनांक 6 मार्च 1978

स० ए० 12024/5/76 (के० स्वा० शि० ब्यूरो) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० पी० चक्रवर्ती को 19 दिसम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में प्रचार अधिकारी (आडो-विज्ञापन एड्स), के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

स० ए० 12025/43/76-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० कुलदीप कुमार माथुर को 19 मई, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी (एन्टोमोलोजी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शाम लाल कुटियाला

उप निदेशक प्रशासन

(उ० ए० प०)

स० ए० 19019/25/77 के० स्वा० से०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (कुमारी) एस० विजयलक्ष्मी को 24 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में आयुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० एम० बी० सिंह ने 24 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बंगलौर में आयुर्वेदिक फिजिशियन (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

एन० एस० भाटिया

उप निदेशक

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक 4 मार्च 1978

क्रमांक 3-2/78-प्रशासन—श्री पी० एस० अहलुवालिया जो कि वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) रक्षा प्रभाग के अनुभाग अधिकारी हैं, को वन साधनों के निवेश पूर्ण सर्वेक्षण, देहरादून में कृषि व सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) के पत्र क्र० 30-4/76-ई० ई०-1/वन स्था० दिनांक 30-1-2-77 में दी गई प्रतिनिधित्व की शर्तों पर दिनांक 24-2-76 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० पालित

मुख्य संयोजक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 23 फरवरी 1978

स० 2/1 (16)/77 प्रशा०/7414—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 29 दिसम्बर, 1977 के तागतम्य में निदेशक, क्रय और भण्डार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री परारी किजाकोहन राधाकृष्णन, प्रभारी भंडार यूनिट (क्रमानि०) बी० ई० सी० परियोजना कलकत्ता को सहायक भंडार अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप अग्रिम समय 29 अप्रैल, 1978 तक इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी

सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 1 मार्च 1978

स० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री आर० गजापती राव को 14 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर

आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड 'एस० बी०', नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/28/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री पी० राजशेकरन को 13 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर, ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० अ० उ० के०/स्थापना/टी० ई एस० सी०/13/78—निदेशक, श्री आनन्द स्वरूप अग्रवाल को अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० जी० नायर
प्रधान
कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

सं० ए०-39013/6/77-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस०के० सिंह, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास का दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सुरजीत लाल खंडपुर
सहायक निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० ए-32013/9/77 ई०—राष्ट्रपति ने श्री पी० आर० चन्द्रशेखर उपनिदेशक अनुसंधान तथा विकास को दिनांक 19 सितम्बर, 1977 से 31 जनवरी, 1978 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर निदेशक अनुसंधान एवं विकास के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० ए०-38013/3/77-ई० ए०—मूल नियम 56 (के) के उपबन्धों के अधीन श्री एल० ए० लोबो, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी, बम्बई एयरपोर्ट, दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विश्व विनोद जोहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1978

सं० ए०-32014/4/76-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री सी० पी० राव, तकनीकी, सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई को दिनांक 15-11-1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा
उप निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तलय

पटना, दिनांक 1 मार्च 1978

मि० सं० II (7) 1-स्था०/77/2005—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 192/77 दिनांक 30-7-77 (जैसा स्थापना आदेश सं० 327/77 दिनांक 8-12-77 द्वारा संशोधित किया गया) के अनुसरण में श्री वाई० एन० पाण्डेय, निरीक्षक रु० 650-30-740-35-810-व० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थापनापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी 'बी०' के रूप में गोपालगंज सीमा शुल्क निवारण में दिनांक 15-12-77 के पूर्वाह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

मि० सं० II (7) 2-स्था०/78/2007—वित्त मंत्रालय के आदेश संख्या 181/77 दिनांक 19-11-77 तथा इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 328/77 दिनांक 8-12-77 के अनुसरण में श्रीमती कोमला चौधरी, सहायक समाहर्ता, सीमा शुल्क, कलकत्ता दिनांक 7-2-78 के पूर्वाह्न में सहायक समाहर्ता (तकनीकी) के रूप में सीमा शुल्क (मु०), पटना में कार्यभार ग्रहण किया।

एच० एन० साहू
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद, पटना

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 1978

सं० का०-12017/5/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० 19012/18/77-प्रशा० पांच दिनांक 18 जनवरी, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री बी० के० गोस्वामी की वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-व० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 में सहायक अनुसंधान अधिकारी

(रसायन) की श्रेणी में गौहाटी गेजिंग प्रभाग, गौहाटी में तदर्थ नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी आधार पर अगले चार महीने की अवधि के लिए अर्थात् 1-3-78 से 30-6-78 तक अथवा जब तक कि एक नियमित अधिकारी इस श्रेणी में उपलब्ध नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

सं० के०-12017/5/76-प्रशा० पांच—अधिसूचना सं० के०-12017/5/76-प्रशा० पांच दिनांक 7 दिसम्बर, 1977 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस०ए० शाह की वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 में सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में कोयम्बटूर गेजिंग प्रभाग, कोयम्बटूर, केन्द्रीय जल आयोग में तदर्थ नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी आधार पर अगले चार महीने की अवधि के लिए अर्थात् 1-3-78 से 30-6-78 तक अथवा जब तक कि एक नियमित अधिकारी इस श्रेणी में उपलब्ध नहीं हो जाते, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० पांच—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-बी) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग निम्नलिखित अधिकारियों को, जो वर्तमान समय में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं, उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम एवं पदनाम	नियमित रूप से नियुक्ति की तारीख
1.	श्री आई० आर०एस० सुब्रा-मन्यम, सहायक अभियंता	5-7-77 (पूर्वाह्न)
2.	कुमारी यमुना देवी टी०एस०, सहायक अभियंता	21-7-77 (पूर्वाह्न)
3.	श्री बी०बी० रामना सर्मा, सहायक अभियंता	31-8-77 (अपराह्न)
4.	श्री सी०वेकंटा राव, सहायक अभियंता	28-7-77 (पूर्वाह्न)
5.	श्री रथीन्द्र लाल दत्ता, अतिरिक्त सहायक निदेशक	30-9-77 (पूर्वाह्न)
6.	श्री ए०के० बालसलन सहायक अभियंता	5-11-77 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एन०के० राय, सहायक अभियंता	7-9-77 (पूर्वाह्न)
8.	श्री बी०वेकंटा राव, सहायक अभियंता	14-10-77 (पूर्वाह्न)
9.	श्री के०सी० ईवीकुल्ला, सहायक अभियंता	10-10-77 (पूर्वाह्न)

(2) उपरोक्त अधिकारी प्रत्येक के सम्मुख दी गई तारीखों से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

जे०के० साहा,
अवर सचिव

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 23/2/77-ई०सी० II—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित अधिकारी बाधक्य आयु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर दिनांक 28 फरवरी, 1978 (अपराह्न) से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्ति हो गए :—

नाम व पद	कार्यालय
1. श्री हरभजन सिंह मुख्य इंजीनियर	दिल्ली प्रशासन, नई दिल्ली
2. श्री एन० समन्त कार्यपालक अंडमान लोक निर्माण विभाग, इंजीनियर (वि०)	पोर्ट ब्लेयर
3. श्री एन०के० चक्रवर्ती कार्यपालक इंजीनियर (वि०)	कलकत्ता विमानन विद्युत, मंडल, कलकत्ता-700020
4. श्री बी०पी० गुप्ता कार्यपालक इंजीनियर (सिविल)	मूल्यन एकक VII, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर परिषद कलकत्ता
सु०सू० प्रकाश राव प्रशासन उप निदेशक कृते महानिदेशक (निर्माण)	

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० 33/12/73 ई०सी० 9/27/49/77-ई०सी० 9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नरभित श्री आर०एल० अग्रवाल की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रु० (तथा सामान्य भत्ते) के वेतन मान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 18-2-78 (पूर्वाह्न) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए०) नियुक्त करते हैं।

2. श्री अग्रवाल 18-2-1978 पूर्वाह्न से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रखे जाते हैं।

डी०पी० ओहरी
प्रशासन उपनिदेशक

“कम्पनी अधिनियम 1956 और आर०एस

गप्ता स्टील रोलिंग एण्ड जंतरल, मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में”

जालंधर दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० जी०/एस०सी० आई० 60/560/3354/13110—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण

में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आर०एस०गुप्ता स्टील रोलिंग एण्ड जंतरल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पंजाब, हि० प्र० एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और उड़ीसा मिनरल्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 4 मार्च 1978

सं० एस० उ०/643/6576(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उड़ीसा मिनरल्स एण्ड केमिकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गया है।

दिलीप कुमार पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सास्ता फिलमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० 4605/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सास्ता फिलमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वंशित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० प्रभ्युतन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर)

नई दिल्ली-110002, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 37/7/78-ए डी/डी ओ एम एस/1645—श्री हरिशंकर श्रीवास्तव, आयकर अधिकारी वर्ग-I, ने अपने प्रतिनियुक्ति के चयन पर संगठन और प्रबन्ध सेवा निदेशालय (आयकर), नई दिल्ली में दिनांक 9 फरवरी, 1978 पूर्वाह्न से सहायक निदेशक के पद पर कार्यभार सम्भाल लिया है।

जगदीश चन्द्र
निदेशक

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० सी० बी०-4/जिल्द-6/2683—श्री एस० एल० धरमानी, आयकर अधिकारी द्वितीय श्रेणी, की मृत्यु 26-2-1978 को हो गई है।

ब० र० अखरोल
आयकर आयुक्त अमृतसर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1299/77-78—

यतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 25/134 है तथा जो शक्तिनगर, दिल्ली में
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती सुशीला रानी उपनाम सुशीला अग्रवाल उपनाम
सुशीला देवी धर्मपत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद निवासी 25/134
शक्तिनगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री देवेन्द्र कुमार गोयल पुत्र श्री छेदालाल श्रीमती
अतर कली धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश गुप्ता निवासी, 2202
मसजिद खजूर, दिल्ली। (अन्तरिती)

3 मसरा न्यू सुपर कोओपरेटिव कन्जूमर वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जो कि लगभग 200 वर्ग गज के
प्लॉट पर बना है तथा मकान नं० 25/134 शक्ति नगर में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क 4 फु

पश्चिम : सर्विस रोड 15 फुट

दक्षिण : बिलडिंग 25/133

उत्तर : बिलडिंग नं० 25/139

एन० एस० चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 3 मार्च 1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 फरवरी 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/जुके 77/थाना/349—यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललवानी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० स० क्र० 2-एच०; क्र० 1-सी० टी० एस० क्र० 77, टिक्का क्र० 15 है तथा जो थाना में स्थित है (और इससे उपावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, थाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री गोविंद हिराजी नाखवा 'स्मीना', युनाइटेड स्पोर्ट्स वर्क पिछे चेंदणी, कोलीवाडा, थाना (ईस्ट)
(अन्तरक)

2 भे० एम० एफ० मोरे एंड कम्पनी 'देवदया', विष्णु नगर, नौपाडा, थाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी—स० क्र० 2, हिस्सा क्र० 1-सी० टी० एस०, क्र० 77, टिक्का क्र० 15 विष्णु नगर, नौपाडा, बाजी प्रभू देशपांडे, पथ, तालुका और निलाठ थाना।

क्षेत्रफल—577.00 वर्ग यार्ड्स।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 200 दिनांक 30-7-77 को सब-रजिस्ट्रार थाना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1978

निर्देश सं० 13687/अर्जन/देहरादून/77-78—यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 23-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसार में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री ब्रिगेडियर लक्ष्मी नारायण, सभरवाल, कर्नल जगदीश
नारायण सभरवाल, कर्नल ओम प्रकाश सभरवाल एवं
सूरज नारायण पुत्रगण स्वर्गीय श्री शिव नारायण
सभरवाल निवासी 1, बीरपुर स्टेट देहरादून द्वारा
एटार्नी ब्रिगेडियर लक्ष्मी नारायण सभरवाल
(अन्तरक)

2 राकेश कुमार बेमल पुत्र स्वर्गीय धर्म प्रकाश बंसल
निवासी नं० 3 धामवाला बाजार, देहरादून
अन्तरिती)

3 श्री आई० सी० स्वामी, मीना गढ़वाल (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभा-
षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक मंजिला मकान नं० 35/48 स्थित
नेशनल रोड देहरादून 70,000) के विक्रय मूल्य में बेची
गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० 9678/अर्जन/बु० शहर/77-78—यतः,
मुझे, आर० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं; अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 21-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री तुलाराम उर्फ तुल्ली पुत्र दाल सिंह निवासी ग्राम
मोहम्मदपुर, गूजर प० दनकौर जिला बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2 श्रीमती लखमीरी पत्नी बच्चू सिंह श्रीमती कलावती
पत्नी जिला सिंह नि० समाउहीन पुर चन्दवती
पत्नी महर चंद व भरपाई पत्नी धर्मवीर नि०
कैमराला प० दनकौर जिला—बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 12 बिस्वा स्थित मोहम्मदपुर,
प० दनकौर जिला बुलन्दशहर 50,000 ० के विक्रय मूल्य में
बेची गई।

आर० पी० भागव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/951-ए०/बु० शहर/77-78—यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अनूपशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कने
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री शिव सिंह पुत्र शेर सिंह निवासी डगराज जाट
परगना व तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2 श्री लखमी चन्द व बाबूराम पुत्रगण डगराज जाट
पो० सखनी परगना व तहसील अनूपशहर जिला
बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 5 बीघा 14 बिस्वा 7 बिस्वांसी
स्थित ग्राम जहांगीराबाद तहसील अनूपशहर जिला बुलन्दशहर
55,000 रुपए में बेची गई

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० एसीक्यू०/1095 ए०/बु० शहर/77-78---यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनूपशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत्, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री शिव लाल पुत्र किडामल निवासी बन्धीर परगना
दिवाड़ी तह० अनूपशहर जिला बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2. श्रीमती शोला देवी स्त्री दिगम्बर लाल शर्मा ग्राम
पन्ना पो० गंगावाली तह० खुरजा जिला बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अगोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि खाता नम्बर 165 व 62
जो कि 6 बीघा 19 बिस्वांसी स्थित बुलन्दशहर 36,000
रुपए में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 8-3-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/884/आगरा/77-78—यतः, मुझे, आर० पी० भार्गव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-12-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया गया था, वाणिज्य, स्थानों में सुविधा के लिये।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—516GI/77

1 श्रीमती गायत्री देवी स्त्री शास्त्री स्वरूप गोयल निवासी
20 नेहरू नगर आगरा (अन्तरक)

2 श्री विनोद सिंह जैन पुत्र जालिम सिंह जैन 9/355
मोती कटरा आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 36/330 (कोठी नं० 86)
नेहरू नगर आगरा (205000 रुपए में बेची गई।)

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/1018 ए०/बु० शहर/77-78—यत, मुझे, आर० पी० भागव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामचन्द्र पुत्र कन्हैया निवासी ग्राम पिपासा पो० औरंगाबाद परगना स्थाना जि० बुलन्दशहर (अन्तरक)

2. श्री स्योदान सिंह, जीत सिंह, राजेन्द्र सिंह, आगमवीर सिंह, अशोक सिंह पुत्राण सरदार सिंह व सुमित्रा देवी स्त्री जगवीर सिंह निवासी ग्राम पिपासा पो० औरंगाबाद परगना स्थाना जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 7 बीघा 4 बिस्वा 15 बिस्वासी स्थित परगना स्थाना जिला बुलन्दशहर 45000 रुपए में बेची गई।

आर० पी० भागव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन /826/कानपुर/77-78—यतः मुझे,
आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 18-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्तः—

1. श्री गुरुशंकर चौधरी 113/331 अशोक नगर कानपुर
(अन्तरक)

2. मे० अग्रवाल प्लास्टि इन्डस्ट्रीज प्रा० लि० 111/
384 अशोक नगर कानपुर द्वारा राजेन्द्र कुमार
अग्रवाल डाइरेक्टर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्रावणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 148 बी० दादानगर कानपुर
95000 रुपए में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/1016 ए०/बु० शहर/77-78—यतः,

मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुढ़ाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित :—

1. श्री सहाय सिंह पुत्र खिला निवासी ईसापुर परगना कन्धला तह० बुढ़ाना जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरक)

2. श्री कला पुत्र मुस्तार, भोला पुत्र खचेड़ू, पीताम्बर सिंह, पल्ला व कृपाल पुत्र गगनू सिंह ओम प्रकाश व पीतम (ना० बा०) पुत्र तिलका द्वारा ओम प्रकाश निवासी ईसापुर परगना कन्धला, मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बीघा 3 बिस्वा स्थित ग्राम ईसापुर परगना कन्धला जिला मुजफ्फरनगर 61425 रुपए में बच गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/983-ए/रुड़की/77-78—यतः, मुझे,
आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रुड़की में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अब्दुल पुत्र अल्लादिया, अहसान इसाही व मो०
सलीम व नसीम पुत्र अब्दुल द्वारा श्रीमती आशी नि०
ग्राम रनसुरा प० व तह० रुड़की जिला सहारनपुर
(अन्तरक)

2. श्री सईद अहमद, सलीम अहमद, नसीम अहमद पुत्रगण
ईशाक, जाहिद हसन, अब्दुल हसन मो० इकबाल
व मो० इसलाम पुत्रगण यासीन द्वारा मो० यासीन
(पिता व नेचुरल गार्जियन), मो० अमील, मो०
गालिब, मो० तालिब, मो० अमील, मो० आरिफ,
मो० नफीस पुत्रगण कासिम निवासी ग्राम
रनसुरा प० व तहसील रुड़की, जिला सहारनपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि 17 बीघा 19 बिस्वा स्थित ग्राम रनसुरा
तहसील रुड़की जिला सहारनपुर 54000/- रुपए में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० अर्जन/971-ए०/गा० बाद/77-78—यतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री भगत राम पुत्र कन्हैया निवासी चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद, गाजियाबाद
(अन्तरक)

2. श्री हरपत सिंह व धनपाल सिंह पुत्रगण राजाराम निवासी चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद व हरपती देवी स्त्री राम चन्दर निवासी कैला गाजियाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 10 बिस्वा 10 बिस्वासी स्थित ग्राम चन्द्रावली परगना सिकन्दराबाद जिला गाजियाबाद 60000 रुपए में बची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़-580004

धारवाड़-580004, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० 208/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी० राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० नं० 924 (पुराना 860 (नया) असस्मेंट नं० 884 है, तथा जो त्रि० एच० रोड, अरसिकेरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अरसिकेरे अंडर डाकुमेंट नं० 3295/77-78, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1. श्री एस० नंसगपा, सुपुत्र संवागोडा,

(2) कुमार लक्ष्मी नारायण सुपुत्र नंसाप्पा,

(3) कुमार शाता कुमार सुपुत्र नंसाप्पा,

(4) कुमार सोधार सुपुत्र नंसाप्पा

(5) कुमार गिरिश बाबु सुपुत्र नंसाप्पा,

मेसर्स कावेरी सोप नट इंडस्ट्रीज, नीयर ओपेण, मैसूर सीटी

(अन्तरक)

2. श्री एस०एम० वीराभद्रप्पा सुपुत्र कलाजप्पन मारुलप्पा
ओहिहल्लि होबली, सिंगटागरे-होबली, कडूर-तालुक
चिकमगलूर-जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आर० सी० सी० का मंजला और खुला मैदान बी० एच० रोड के यहां है। अरसिकेरे मुनिसिपल का सं० 924 (पुराना) 860 (नया), असस्मेंट नं० 884।

डी० सी० राजागोपालन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 9-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धारवाड़-580004

धारवाड़-580004, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० 207/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डी० सी०
राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 2535, 2536 और 2537 है, तथा जो
फोर्ट एरिया, होलेनरसापुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, होलेनरसापुरा, अंडर डाकुमट नं० 2448 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 16-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. वाय अन्तराजन, असिस्टेंट प्रोफेसर, पि० एस०
जि० कालेज आफ टेक्नोलॉजी, कोयम्बतूर
- (2) श्री जीवन शंकर, लेगकर, इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ
सायन्स, बंगलूर,
- (3) श्री एम० पांडुरंगा विठ्ठल, फोरमैन, बोकारो स्टील
आर्ट बिहार,
- (4) श्रीमती सरोजम्मा पत्नी लेद मियारयल नं०
1 के हाथ है,
- (5) कुमारी एच० एन० कालावति,
- (6) कुमारी नवीनम्बा,
- (7) कुमारी विमला बाई,
- (8) कुमारी लीलावती (अन्तरक)

2. श्री ए० एस० परमेश्वरय्या

(2) श्री ए० एस० महादेवय्या और ए० एस०
श्रीधरम्मा, मेसर्स एक्स परमेश्वरय्या एंड बर्दर्स
इंडियन आइल के व्यापारी, होलेनरसापुरा, हासेन
जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो आर० सी० सी० बिल्डिंग और खुला मैदान नं० 2535,
2536 और 2537 फोर्ट एरिया में होलेनरसापुरा में है।

डी० सी० राजागोपालन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख : 9-3-1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०पी०-1759—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो सराय खास (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने की सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, लिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

4—516GI/77

1. श्रीमती परीतो, धनो, पुत्रियां श्री मंगता पुत्र श्री रोडा, गांव सराय खास, तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री रोडा, 2. बलवीन्द्र सिंह, 3. दिलबाग सिंह पुत्र श्री धना पुत्र श्री रोडा, निवासी सराय खास, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2821 जलाई 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आइ० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1760—यतः, मुझे, बी० एस०
बाहिया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो प्रीत नगर,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र श्री प्रभ दयाल निवासी गढदीवाल,
तहसील होशियारपुर (अन्तरक)
2. श्री सत्या राम पुत्र श्री कनी राम चपड़ासी बैंक ग्राफ
इण्डिया, जालन्धर (अन्तरिती)
3. जसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

वर जैसा कि विलेख नं० 2279 जुलाई 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० बाहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०-पी०-1761—यतः, मुझे, बी० एस० दाहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो ग्रीन पार्क, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से रुथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री साधु सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह 545-माडल टाऊन, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री भजन सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह गांव रुड़का कलां, तहसील फिलौर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट जैसा कि विलेख नं० 2466 जुलाई 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दाहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

—निर्देश सं० ए० पी०-1762—यतः, मुझे, बी० एस०
दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो चक हुसैना
लामा पिंड (जालन्धर) में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किन्हीं प्राय या किन्हीं धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
न प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पूरण सिंह पुत्र श्री बतन सिंह जी० ए० श्री सन्तोख
सिंह पुत्र श्री बिशन सिंह निवासी सन्तोख पुरा,
जालन्धर (अन्तरक)

अ/ दर्शन सिंह, सुचा सिंह पुत्र श्री पूरण सिंह, सन्तोख
पुरा, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
[है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जसा कि विलेख सं० 2611 जुलाई 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकार जालन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-3-1978
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मार्च 1978

नर्देश सं० ए०-पी०-1763—यन, मुझे, श्री० एस० दहिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है, तथा जो पुराना जवाहर
नगर (जालन्धर) में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उम्मेद बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धन उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती मोहिन्द्र कौर विधवा श्री सुरजीत सिंह आप
तथा जी० ए० 2. श्री नरोन्द्र कौर (माईनर),
3. हरभजन सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह, 4.
परमजीत सिंह पुत्र श्री सुरजीत सिंह 5. प्रवीन्द्र
कौर 6. कुलवन्त कौर पुत्रियां श्री सुरजीत सिंह,
983-बी० प्रेम नगर, जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री सतासिंह, 3-बी० पुराना जवाहर
नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 2681 जुलाई 77 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

[बी० एस० दहिया]

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, जालन्धर

तारीख 6-3-1978

मोहर

प्रकाश प्रार्थी० टी० एन० एम०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

यज्जन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 18 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० टी० 117/बी० टी० प्रार्थी०/77-78—यन,
मुझे, पी० एन० मलिक,
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है
कि म्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी म० वैदाकि अनुसूची में निम्नलिखित तथा जो दियोगाव
में स्थित है (और इसमें उल्लेखित अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), राजस्त्री परिधानकारी के कार्यालय दृष्टिपारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टयान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और जो यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टयान
प्रतिफल में, ऐसे दृष्टयान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य के लिए अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप
में कथित नहीं किया गया

(क) अन्तरण नहीं किया गया का बावजूद उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी. जमीन या किमी. धरा या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधी अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना
चाहिए था, छान म सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्याख्या अर्पित :-

1. श्री हरभजा निः पुत्र श्री जजाला सिंह पुत्र बतन सिंह
गांव दिओवाला तहसील दृष्टिपारपुर
(अन्तरक)

2. श्री खुशी राम, मलकीयत सिंह पुत्रान शंकर दास
गांव खजामपुर (2) दलीया पुत्र श्री उत्तम गांव
कधाली
(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरान्त 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भा. अधि. धा. में समाप्त होती हो, के भीतर
व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और भाषा का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
है, -ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

गांव दिओवाला में 85 कनाल जमीन जैसा कि रजिस्ट्री
न० 957 जून 1977 में रजिस्ट्रार दृष्टिपारपुर में लिखा
है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
यज्जन रंज, भटिंडा।

तारीख : 18-2-1978
मोहर .

प्रश्न ५ । १ । १० । १५०-----

पृ - सप्तम 1961 (1961 का 43) का

११ २५७-व (१) श्री ० सचन।

॥ १० ॥

पार्यालिय, सहायक आयकर आयबन (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा दिना 18 फरवरी 1978

निर्देश सं. ए. पी. ११८ पी. टी. भा. १/७७-७९—यत

मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
अन्य 12 तहत 'उक्त अधिनियम', कहा गया) के धारा 269-ख
के अन्तर्गत नक़्शे पंजीकारी को, यह विध्वंस करने का कारण
है कि संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
से अधिक है।

ग्रीक जिसकी पं० जैंग नि शत्रुपुत्री में लिखा है, तथा जो बलवाला ने लिखा है (ग्रीक नमरो उपाब्ध गुरची में ग्रीक पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्तीवर्त शिबारी के तथ्याय, हुशियारपुर में राजस्तीवर्त शिबानियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1917

को वीर - भाषा का उद्दिष्ट - भाषा मध्य स कम क दृश्यमान
प्रतिफल - लिए अर्थात् ये सही है और यह दृष्टिमान करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यम का उद्दिष्ट बाजार - - उनके
दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और गन्धार (गन्धर्व) और मन्थिनी (अन्धगिण्ठी) - बीच ऐसे अन्तरण के बिना पाया गया अविकल आतिथिदिश उद्देश्य में उक्त गन्धार लिखित सम्बन्धित रूप में प्रतिपादित किया गया है -

(क) अन्तराण सत्त्व का प्रभाव को शासन, उक्त अधिनियम के अधीन रहने के अन्तराण सत्त्व शक्ति में समाहित या उसमें बचन में सुविधा प्रदान करने का प्रभाव

(ख) ऐसी किसी ब्राय या कनो धन या अन्य आस्तियों, या, जिन्हें 1922 का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम या अन्य-कानून अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजन प्रभावित करने के लिए नहीं किया गया या प्रभावित करने के लिए था जिसने में सुविधा मिली।

यहां अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निर्दिष्ट व्यक्ति प्रार्थना —

१. श्री देवी दयाल पुत्र श्री चिरजी लाल पुत्र गिरधारी लाल
गांव बजवाडा तहसील इशियारपुर
(प्रस्तरक)

2 श्री सोहन सिंह सहिन्द सिंह पुत्रान रत्तन सिंह गाव
महली तहसील जयशहर (अन्नरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति जिम्मे
प्रतिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति (स्पष्टि में रजि. रखा है) वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधिकतरताक्षरी जानता है कि वह
स्पष्टि में रजि. है।

का यह सूचना जारी उसके पूर्वोक्त अधिनियम के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त दण्डति न जर्जन क तादृश एव भवेति श्रावणे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 15 दिन में या जिस तारीख पर व्यक्ति को पकड़ने की आज्ञा मिले 10 दिनों में अवधि, जो भी अवधि शर्त में सम्मान्य होना हो, में भीतर पर्वोक्त प्रक्रिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) ४५ सूचना का राजपत्र में प्रकाशन का आदेश के ४५ दिन के भीतर उसके स्वाक्षर मण्डप में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञोहस्ताक्षरी के पास निहित में करा जाये।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनंतशा

वजवाडा गाव मे 56 कनाल 18 मरल जमीन जैसा
कि रजिस्ट्री नं० 1386 जलाई 1977 सब रजिस्ट्रार दृशियारपुर
मे लिखा है ।

पा० एन० मलिक,
मक्षम प्राधिकारी,
प्रायुक्त (निरिक्षण),
मर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 18-2-1978
मोहर

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० सं० 119/बी०-टी०आई०/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शांता रानी पत्नी दमन लाल पुत्र आत्मा राम वासी मलोट (अन्तरक)
2. श्रीमती विमला देवी पत्नी जगन नाथ पुत्र आडवान द्वारा जगन नाथ अणोक कुमार नजदीक पुरानाम स्टेट बैंक मलोट (अन्तरित)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आदर्श नगर मलोट में 25' × 60' 166.7 वर्ग गज) का एक प्लॉट नं० बी० VIII/142 जैसा कि विलेख नं० 1223 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-2-1978
मोहर

प्रारूप आई० टी० एम० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 120/बी० टी० आई०/77-78—
यस: मुझे, पी० एन० मलिक,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो व्योम में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जुलाई 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—516GI/77

1. श्रीमती गुरदेव कौर बिधवा अवतार सिंह पुत्र उजागर
सिंह वासी व्योम तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. (i) श्री अमरजीत सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह पुत्र उजागर सिंह
(13 कनाल),

(ii) जतेन्द्र सिंह पुत्र विकरम जीत सिंह पुत्र,
गुरदयाल सिंह (8 कनाल 1 मरला) गांव व्योम
तहसील फिल्लौर (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्योम गांव में 21 कनाल 1 मरला जमीन जैसा कि विलेख
नं० 1670 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 27 फरवरी 1977

निर्देश सं० पी० बी० नं० 121/बी०टी०आई०/77-78—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है कि तथा
जा त्योंग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16
के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुरजीत कौर पुत्री अबतार सिंह पुत्र उजागर
सिंह गांव त्योंग तहसील फिल्लौर
(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह और विक्रम जीत सिंह पुत्रान गुरदयाल
सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव त्योंग तहसील
फिल्लौर जिला जालंधर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

त्योंग गांव में 18 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 1469 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 27-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 122/बी० टी० आई०/77-78—

यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो समसाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरभजन दाम पुत्र श्री धन्ना राम पुत्र श्री रामा राम
गांव समसाबाद तहसील फिलौर
(अन्तरक)

2. श्री सुचा सिंह, केवल सिंह पुत्रान बंता सिंह पुत्र भुला
सिंह गांव नगाजा तहसील जालंधर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिशेष में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समसाबाद गांव में 46 कनाल 4 मरले जमीन जैसा की
विलेख नं० 1633 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख : 27-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 123/बी० टी० आई०/77-78

—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हुशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:—

1. श्री शंकर दास पुत्र गंडु मल द्वारा श्री डी० पी० सुंद V-बी०/III/118/भारत हैवी इलेक्ट्रीकल रानीपुर, हरिद्वार (यू० पी०) (अन्तरक)
2. श्री सुरेन्द्र पाल, बृज भूषण पुत्रान् ओम प्रकाश मकान नं० बी०-II-545/35 प्रहलाद नगर हुशियारपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-II/545/35 प्रहलाद नगर हुशियारपुर में जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1573 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 27-2-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 130/बो० पी०/77-78—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गडी महासिंह में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री केवल पुत्र भगत सिंह काला दास पुत्रान रोड़ा पुत्र
सुन्दर सिंह बासी गडी महा सिंह तहसील फिलौर
(अन्तरक)
2. श्री लम्बर सिंह पुत्र बुझा सिंह बासी जज्जा खुरद तहसील
फिलौर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में गाँव रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

गडी महा सिंह गाँव में 44 कनाल जमीन जैसा कि विलेख
नं० 1467 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 6-3-1978

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 131/बी० टी० आई०/77-78—

यतः, भुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हृदन कलेर के में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री फकीर, हजूर सिंह पुत्रान बिकर सिंह गांव भौड़ तहसील फिलौर (अन्तरक)
2. श्रीमती अवतार कौर पत्नी सतनाम सिंह गांव पड़ी खालसा तहसील फिलौर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हृदक कलेर के गांव में 25 कनाल 15 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1627 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 132/बी० टी०/77-78--यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुदकी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जुलाई 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री जीत सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र महताब सिंह वासी
मुदकी (अन्तरक)
2. श्री मेजर सिंह पुत्र बख्तावर सिंह पुत्र भगत सिंह गांव
वलोर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुदकी गांव में 69 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 2044 जुलाई 1977 में लिखा है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
फिरोजपुर।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 133/त्रि० डी०/77-78—प्रतः

मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोढी नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ठाकुर सिंह, तेज कौर विधवा, करतार कौर, चन्दो, दलजीत कौर, विधवा कुन्दन सिंह वासी सोढी नगर जिला फिरोजपुर (अन्तरक)
2. श्री अमरीक सिंह, नन्दर सिंह पुत्र करनैल सिंह गांध सोढी नगर, गुरनाम कौर पत्नी करतार सिंह वासी सोढी नगर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर तं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोढी नगर में 64 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2096 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 134/वी० डी०/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोही नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
6—516GI/77

1. श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी महिन्द्र सिंह पुत्र साधु सिंह गांव सोही नगर (अन्तरक)
2. श्री अजीत सिंह, महिन्द्र सिंह, निरंजन सिंह, हरभजन सिंह पुत्रान नन्द सिंह पुत्र भाग सिंह गांव सोही नगर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोही नगर में 45 कनाल 7 मरले जमीन जैसा कि बिलेख नं० 2181 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 135/बी० डी०/77-78—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो सोड़ी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलजीत इन्द्र सिंह सोढ़ी पुत्र श्री महिन्द्र सिंह सोढ़ी वासी सोढ़ी नगर तहसील फिरोजपुर (अन्तरक)
2. कुमारी दलीप कौर पुत्री सुचा सिंह वासी भामा लंडा तहसील फिरोजपुर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सोढ़ी नगर में 68 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2199 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 136/बी० डी०/77-78-न्यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो दाता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ज़ोरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री प्रेम पाल सिंह और श्रीमती सतवंत कौर पुत्र एवं पुत्री श्री करतार सिंह वासी दाता तहसील ज़ोरा (अन्तरक)

2. श्रीमती चरनजीत कौर पत्नी बंत सिंह वासी जलालाना तहसील फरीदकोट (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाता गांव में 54 कनाल 14 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2567 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ज़ोरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 137/बी० डी०/77-78—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
किशनपुरा में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जोरा म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र ठाकुर सिंह वासी किशनपुरा खुर्द
तहसील जीरा (अन्तरक)
2. श्री बाज सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह वासी किशनपुरा खुर्द
तहसील जीरा (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं;
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

किशनपुरा में 65 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 2784 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जोरा में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 138/बी० टी० आई०/77-78—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो बहिक गुजरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—516GI77

1. श्रीमती परमिनी पुत्री अन्तर कौर बिधवा हीरा सिंह वासी बहिक गुजरा तहसील जीरा (अन्तरक)

2. श्रीमती इलीप कौर पत्नी श्री मकखन सिंह पुत्र श्री सूरज सिंह वासी बहिक गुजरा तहसील जीरा (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर त० में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो कोई और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बहिक गुजरा गांव में 48 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2478 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 139/बी० टी०आई/77-78—यतः/,
मुझे, पी० एन० मलिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो केले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुलदीप सिंह, मनजीत सिंह पुत्रान कृपाल सिंह गांव कैले तहसील जीरा (अन्तरक)
2. श्री मुख्त्यार सिंह त्रिलोक सिंह पुत्रान हरनाम सिंह पुल झंडा सिंह गांव कैले (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कैले गांव में 28 कनाल जमीन जैसा कि बिलेख नं० 2839 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 6-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 6 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी० 140/बी० टी०/77-78—यतः,
मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो
केले में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृपाल सिंह पुत्र लाल सिंह पुत्र मूल सिंह गांव कैले
तहसील जीरा (अन्तरक)
2. श्री मुख्त्यार सिंह, विलोक सिंह पुत्रान रनाम सिंह
गांव कैले तहसील जीरा (अन्तरिती)
3. जैमा किन० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कैले गांव में 55 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 2838 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 6-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————]

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० आर० ए० सी० न० 237/77-78—यतः मुझे
के० एस० बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1-8-18 है, जो धीकडपल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 30-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, ठिगाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रायारेड्डी जी० आर० से 1-8-18 धीकडपल्ली,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पदमाबाई पति श्री कृष्णकुमार,
(अग्रगण्य) 21-2-636 पतरगट्टी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 1-8-18 धीकडपल्ली हैदराबाद विस्तृत 200
वर्ग यार्ड, रजिस्टर्ड दस्तावेज न० 2004/77 उपरजिस्ट्री
कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० बेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी०-238/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० 5-1-372/2 का भाग है, जो गास मन्डी में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-516GI/77

सर्वश्री

- (1) श्रीमती अर्यशावेगम
- (2) सेवानुश्रीशावेगम
- (3) लतीफु न्नीसावेगम
- (4) सैयद मकदूम
- (5) जुवेदावेगम
- (6) नसीरीदीन शेक ईमाम
- (7) निजामीदीन शेक ईमाम घर नं० 16-8-244/1 कालाडेर मलकापेट, हैदराबाद
- (8) मुलवरीदीन शेक ईमाम
- (9) बुगनीदीन शेक ईमाम
- (10) जुहंराकानु
- (11) मीईनीदीन शेक ईमाम हैदराबाद।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती कीपुनूरी बाशम्पा पती स्वर्गीय बोरय्या घर नं० 5-1-385/1 मेकला बन्डा पुराना गास मन्डी सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन घर नं० 5-1-372/2 का भाग है मेकला-बन्डा-पुराना गास मन्डी सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1198/77 डा रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 9 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 239/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/329/एफ० है, जो कडपा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडपा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अलपुरेडी लक्ष्मम्मा पती-मै० वेंकटनारायाना रेड्डी घोटी कडपा जिला।

(अन्तरक)

श्री के० हनुमारेड्डी-पिता-वेंकटरेड्डी, यैरामुकापली, गान्धीनगर, कडपा।

(2) के० रवीन्द्रा रेड्डी

(3) के० स्वतन्त्रताकुमार रेड्डी गान्धी नगर, कडपा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1/329-एफ० गान्धी नगर (यैरामुकापली) कडपा-तस्कर रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 3637/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कडपा में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 240/77-78—यतः

मुझे के० एस० वेंकटरामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7-2-148 है, जो मारकोट गली में स्थित
है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 20-7-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती धीतम कमलम्पा-पति-धीतम लालय्या-
1/2 जीरा कमपोंड सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मादयुवर मलेश-पिता-येम बोतप्पा 39-जीरा-
सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर नं० 7-2-148 मीशन स्कूल का गली सिकन्द-
राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1128/77 उप रजिस्ट्री
कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जनवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1328 (623)/1-1/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 361-62-66, सब प्लॉट नं० 21, राणीप, है, जो राणीप, साबरमती, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) साबरमती हरीजन आश्रम ट्रस्ट, साबरमती आश्रम, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) उमंग पारक को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि०, बंगलो नं० 91/27/1, कल्याण ग्राम सोसायटी, ओ/एस० शाहपुर दरवाजा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 3998-09 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 361-362-366, सब प्लॉट नं० 21, राणीप वार्ड, अहमदाबाद है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन जुलाई, 1977 वाले बिश्री दस्तावेज नं० 4867 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख : 4-1-78

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

ग्रजैन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जनवरी 1978

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 1323 (626)/1-1-77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 465/18-ए०-1, टी० पी० एस०-3, है, जो चगेजपुर, कल्याण सोसायटी, मीठाखली, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्येक विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हिम्मतलाल रंछोड़लाल, ए/2, "आतकार एपार्ट-महल" देवकीनन्दन सोसायटी सामने, जैन देरासर सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (i) प्रदीपकुमार दीपकभाई शाह, (ii) श्री प्रमोद दीपकभाई शाह, 2, पारस कुंज सोसायटी, गुजरात समाचार बिल्डिंग के सामने, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती शान्ताबेन दीपकभाई शाह, कल्याण सोसायटी, मीठाखली, अहमदाबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 664 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका वर्गीकरण 353 वर्ग गज है तथा जिसका एफ० पी० नं० 465/18-ए०, टी० पी० एस० नं० 3, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जुलाई 1977 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 4848 में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

ग्रजैन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 10-1-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-I-1379 (632)/16-6/77-78—यतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 405-3 है, जो डा० याज्ञिक रोड, कन्या छात्रालय के सामने, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मन्सुखलाल रामजीभाई पावर ओफ एटारनी होल्डर, (1) श्री रामजीभाई सावजीभाई, (2) श्रीमती हेमकुंवरबेन दामजीभाई, भूपेन्द्र रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुनन्दन हरजीवनभाई, जय शियाराम पेंडा-वाला, 2, पंचनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो 266.6 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 405-3 है तथा जो डा० याज्ञिक रोड पर, कन्या छात्रालय के सामने, राजकोट में स्थित है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 4-2-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1978

निदेश सं० पी० आर० 551/ए० सी० क्यू० 23-1016/13-8/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० रीका नं० 17 मिटी सर्वे नं० 94/ए/2-ए० एच० नं० 1543 सं० नं० 285ए/1/5 पैकी नार्थ साईड 428-66-26 पैकी ग्राउण्ड फ्लोर और सेक्टर जो संतराम सोसायटी, नडियाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) कमथेन अमीन जशभाई शिवाभाई की सुपुत्री, भंतराम सोसायटी, नडियाद। (अन्तरक)

(2) केननकुमार एन्ड कं० अपने भागीदारों द्वारा:—

(1) पटेल रविन्द्रभाई मनीभाई, 21 आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता

(2) पटेल रसिकभाई मनीलाल, 21, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता

(3) कुसुमबेन किरोटभाई, 16, रावलैन्ड रोड, कलकत्ता।

(4) कल्पनाबेन जयन्तकुमार, 16, रावलैन्ड रोड, कलकत्ता।

(5) कनुभाई डाह्याभाई, प्रभात सिनेमा के पास, नडियाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० एस० नं० 94/ए/2ए/माप 0-6-43 वार्ड 1 सर्वे नं० 285-ए/1/5 (पैकी) 642-98-39 (पैकी) वर्ग मीटर नार्थ साईड 428/66/26 (पैकी) वर्ग मीटर ग्राउण्ड फ्लोर और सेक्टर आर० सी० सी० बांध काम 33.3 × 27.9 ऊंचाई 14 जो रतनाजी पाटी, संतराम सोसायटी, नडियाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नडियाद के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2074 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० आर० 552/ए० सी० ब्यू०-23-1017/13-8/77-78—अतः मुझे, डी० सी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० टीका नं० 17 मिटी सर्वे नं० 94/ए/2ए हा० नं० 1543 सं० नं० 285ए/1/5 पैकी नार्थ साइड 428-66-26 पैकी पहला मंजिला और गैरेज जो संतराम सोसायटी नडियाद में स्थित है (और उससे उपायुक्त अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जलाई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कमलेश अमीन जणभाई शिवाभाई की सुपुत्री, स्टेशन रोड, नडियाद।

(अन्तरक)

(2) केतनकुमार एन्ड कं० अपने भागीदारों द्वारा :—

(1) पटेल रविन्द्रभाई मनीभाई, 21, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(2) पटेल रमिकभाई मनीलाल, 21, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(3) कुसुमबेन किरीटभाई, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।

(4) कल्पना बेन जयन्त कुमार, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।

(5) कनुभाई डाड्याभाई, प्रभात सिनेमा के पास, नडियाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० एस० नं० 94/ए/2ए कुल माप 0-6-43 वाई 1 सर्वे नं० 285 ए/1/5 (पैकी) 642-98-39 वर्ग मीटर (पैकी) पहला मंजिला और गैरेज कुल बांध काम 33.3 × 27.9 और 18 × 12.4" है तथा जो रतनाजी पाटी, संतराम सोसायटी, नडियाद में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नडियाद के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2117 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० आर० 553/ए० सी० क्यू० 23-1018/13-8/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टीका नं० 17 सिटी सर्वे नं० 94/ए/2 ए/एच० नं० 1543 सं० नं० 285 ए/1/5 पैकी 214-32-13 वर्ग मीटर है तथा जो संतराम सोसायटी, नडियाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नडियाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-516 GI/77

1. श्रीमती कमुबेन, अमीन जशभाई शिवाभाई की सुपुत्री, संतराम सोसायटी, नडियाद। (अन्तरक)

2. केतनकुमार एन्ड कं० अपने भागीदारों द्वारा :—
 - (1) पटेल रविन्द्रभाई मनीभाई, 21, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।
 - (2) पटेल रसिकभाई मनीभाई, 21, आर० एन० मुखर्जी रोड, कलकत्ता।
 - (3) कुसुमबेन किरीटभाई, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (4) कल्पनावेन जयन्तकुमार, 16, राव लेन्ड रोड, कलकत्ता।
 - (5) कनुभाई अहयाभाई, प्रभात सिनेमा के पास, नडियाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति जो जमीन व मकान टीका नं० 17, सी० सं० नं० 94/ए/2ए माप 0-6-43 बार्ड नं० 1 सर्वे नं० 285-ए/1/5 (पैकी) 214-32-33 वर्ग मीटर और बांध काम 37.3' 28' है तथा जो रतनाजी पाटी, संतराम सोसायटी, नडियाद में स्थित है जैसा रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नडियाद के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत क्लिख नं० 2081 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 9-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० आर०-554/ए० सी० क्यू०-23-1019/19-7/77-78--अतः मुझे डी० सी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोथ नं० 324, है तथा जो चकावाला मैरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. प्रवीनावेन हरीबदन ठाकोर द्वारा बसियतनामे के मारफत नियुक्त किये गये ट्रस्टीज :--

- (1) हरीप्रसाद चिमनलाल ठाकोर
- (2) मरकन्द चन्द्रकान्त ठाकोर
- (3) प्रकाश वसन्तलाल मेहता, लेमिंगटन रोड, अमीर हाउस, बम्बई।

(अन्तरक)

2. (1) जयवन्तलाल गुलाबदास,
- (2) शशीकान्त गुलाबदास,
- (3) बलवन्त राय, गुलाब दास, नवापुरा, लाडशेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

जमीन व पुराना बांधकाम जो वार्ड नं० 9 बाँध 324 चकावाला शेरी, सूरत में स्थित है तथा जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1221 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं० पी० आर० 555/ए० सी० क्यू० 23-1020/19-7/677-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोंध नं० 325 है, तथा जो चकावाला शेरी, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-1977 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवर्ति :—

(1) श्रीमती प्रवीणाबेन हरीवदन ठाकोर की वसीयत-नामे द्वारा नियुक्त किए गए ट्रस्टीज :—

(1) हरीप्रसाद चिमनलाल ठाकोर

(2) मरकन्द चन्द्रकान्त ठाकोर

(3) प्रकाश वसंतलाल मेहता

लेमिंगटन रोड, अमीर हाउस, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) (1) ईश्वरलाल गुलाबदास

(2) जयन्तीलाल गुलाबदास

(3) लक्ष्मी चन्द्र गुलाबदास

(4) चम्पकलाल गुलाबदास

लाड शेरी, नवापुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो चकावाला शेरी वार्ड नं० 9, नोंध नं० 325 सूरत में स्थित है और जिसका कुल माप 146 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जून 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1220 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० आर०-561/ए० सी० क्यू०—अतः
मुझे डी० सी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० वार्ड नं० 9 नोंध नं० 317, 629 और
631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी है, जो चकावाला शेरी,
वाडी पालिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 6-7-1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर 5, गुजरात सोसा-
यटी, अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) ईश्वरलाल नाथुभाई जरीवाला कान्टा की वार्ड,
नवापुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोंध नं० 317,
629 और 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी चकावाला
शेरी, वाडी पालिया सूरत में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1314 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1978

निदेश सं० पी०आर* 562/ए०सी०क्यू० 23-1038/19-7/

77-78—यतः मझे डी० सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोड नं० 317, 629 और 631-ए पैकी नोड नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 4, है तथा जो चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर
- (2) प्रान गौरी सुरेन्द्र लाल ठाकोर, 5 गुजरात सोसायटी, अहमदाबाद-7।

- (3) सुरेन्द्र ठाकोर लाल ठाकोर
- (4) केतकीबन सुरेशचन्द्र ठाकोर,
- (5) प्रनव सुरेश चन्द्र ठाकोर, नं० 3, 4, 5—54, प्रीतम नगर सोसायटी, अहमदाबाद-6
- (6) अरविन्दाबेन, ठाकोरलाल अमृतलाल ठाकोर की पुत्री, 3-ए, शार्ट स्ट्रीट, कलकत्ता, कुल मुखतार: हृषदाबेन, ठाकोरलाल अमृतलाल ठाकोर की पुत्री, थाडी पालिया, सूरत।
- (7) हृषिदा बेन, ठाकोर लाल ठाकोर की पुत्री, वाडी पालिया, सूरत।
- (8) उषा बेन, ठाकोर लाल ठाकोर की पुत्री, वाडी पालिया, सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) चम्पकलाल चुश्रीलाल
- (2) शान्तीलाल चम्पकलाल, वाचाली शेरी, नवापुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9 नोड नं० 317, 629 और 631-ए पैकी नोड नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 4, चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1316 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 2 मार्च, 1978

निदेश सं० पी० आर० 563/ए० सी० ब्यू० 23-1039/19-7/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वाड नं० 9, नोंध नं० 317, 629 और 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी है, जो चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर, 5, गुजरात सोसायटी अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) श्री छीराजलाल नाथूभाई जरावाला

(अन्तरिती)

(4) सुरेश कुमार ठाकोरलाल ठाकोर, 56 प्रीतमनगर सोसायटी, अहमदाबाद।

(2) अरविन्दा बेन, ठाकोरलाल 11 ठाकोर, कलकत्ता

(3) उषा बेन, ठाकोरलाल ए ठाकोर की पुत्री कलकत्ता।

(4) हरशिदा बेन, ठाकोर लाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी पालिया, सूरत।

(वस व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वाड नं० 9 नोंध नं० 317, 629 और 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी चकावाला शेरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 73.1 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1318 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च, 1978

निर्देश सं० पी० आर० 564/ए० सी० क्यू० 23-1040/19-7/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० वाई नं० 9 नोंध नं० 317, 629, 631-ए पैकी नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 3 है, तथा जो चकावाला शरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-1978 को पुर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री

(1) सुरेन्द्रलाल ठाकोरलाल ठाकोर

(2) प्रानगौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5, गुजरात सोसायटी, अहमदाबाद-7।

(3) सुरेश चन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर,

(4) केतकीबेन सुरेश चन्द्र ठाकोर

(5) प्रनव सुरेशचन्द्र ठाकोर, 56, प्रीतमनगर सोमायटी, अहमदाबाद-6।

(6) अरविन्दाबेन, ठाकोरलाल अमृतलाल की सुपुत्री, कलकत्ता, कुल मुखतार: हरशिदा बेन, ठाकोर लाल अमृतलाल ठाकोर की सुपुत्री।

(7) हरशिदा बेन, ठाकोरलाल अमृतलाल ठाकोर की सुपुत्री, वाडी पालिया, सूरत।

(8) उपाबन, ठाकोरलाल अमृतलाल की पुत्री, चकावाला शरी, वाडी पालिया, सूरत।

(अन्तरक)

(2) (1) चम्पकलाल चुनीलाल जरीवाला

(2) ठाकोरदास चम्पकलाल जरीवाला वाचाली शरी, नवापुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्याक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वाई नं० 9 नोंध नं० 317, 629, 631-ए पैकी नोंध नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 3, चकावाला शरी, वाडी पालिया, सूरत में स्थित है और जिसका कुल माप 77 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत को जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 1320 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 12-3-1978

निदेश सं० पी० आर० 1560/ए० सी० क्यू० 23-1036/
19-7/77-78—यतः मुझे डी० सी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० वार्ड नं० 9, नोड नं० 317, 629,
631-ए पैकी नोड नं० 317 ब्लॉक नं० 7 है, और जो
चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई
1977 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्णित:—

(1) सर्वश्री

(1) सुरेन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर

(2) प्रानगौरी सुरेन्द्र ठाकोर, 5 जुजरात सोसा-
यटी, अहमदाबाद-7।

(3) सुरेशचन्द्र ठाकोरलाल ठाकोर

(4) केतकीबेन सुरेशचन्द्र ठाकोर

(5) प्रनव सुरेश चन्द्र ठाकोर, 56 प्रीतमनगर
सोसायटी, अहमदाबाद-6।(6) अरविन्द्राबेन, ठाकोरलाल ए० ठाकोर की
पुत्री, कुल मुखतार, हर्षिदा बेन, ठाकोर
लाल ए० ठाकोर की पुत्री, वाडी फालिया,
सूरत।(7) हर्षिदा बेन, ठाकोरलाल, ए० ठाकोर की
पुत्री, वाडी फालिया, सूरत।(8) उषा बेन, ठाकोर लाल ए० ठाकोर की
पुत्री, वाडी फालिया, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वरलाल चन्दुलाल चकावाला शेरी, वाडी
फालिया, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 9, नोड नं० 317,
629, 631-ए पैकी नोड नं० 317 पैकी ब्लॉक नं० 7,
चकावाला शेरी, वाडी फालिया, सूरत में स्थित है, जिसका-
कुल माप 54.40 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1319 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 2-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

अहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० आर०-565/ए० सी० क्यू०-23-1041/

19-7-77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड नं० 10 नोंड नं० 1694ए है, तथा जो सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9—516GI/77

(1) श्री डाहयाभाई मोहनभाई देसाई
मनीवेन डाहयाभाई देसाई
सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरतय ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

(1) केवलभाई नारनजी एलियास ललुभाई पटेल

(2) रमेशभाई केवलभाई पटेल

(3) जयन्तीलाल केवल भाई पटेल

से (4) भरतभाई केवलभाई पटेल

(5) अरविन्दकुमार केवलभाई पटेल

बराछा शेरी, रघुनाथपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेरा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन और मकान जो बार्ड नं० 10/1694-ए सोनी फालिया, गोपीपुरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 174 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 563 में प्रदर्शित है ।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० आर० 566/ए० सी० क्यू० 23-1042/19-7/77-78—अतः मुझे डी० सी० गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 सिटी सर्वे नं० 51 (ए) है, तथा जो सूफी बाग, स्टेशन के सामने, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री

(1) इंद्रीसभाई अलीभाई किनखाबवाला स्वयं और निम्नलिखितों के कुल मुस्तार की हैसियत में :—

(i) अलीभाई अब्दुल गफुर किनखाबवाला—बाप।

(ii) अमीर अलीभाई किनखाबवाला—भाई।

(iii) यूनस अलीभाई किनखाबवाला—भाई।

(2) इस्तीयास अलीभाई किनखाबवाला

(3) आरिफ अलीभाई किनखाबवाला, नानपुरा, सूरत। (अन्तरक)

(2) विमलाबेन बाबुभाई लीलाधर पोपट की पत्नी, श्रोपा बिल्डिंग, आजाद चौक, बेलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो वार्ड नं० 7 सिटी सर्वे नं० 51 (ए) सूफी बाग के पास, सूरत रेलवे स्टेशन के सामने सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 457-36-31 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1497 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 7-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० आर०-567/ए० सी० क्यू०-23-1043/
19-7/77-78—अतः, मुझे, डी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 13/329 आर० एस० नं० 52
पैकी है, तथा जो अठवा, नरमद सोसायटी, सूरत से स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सें और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय का वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अभिनियों अर्थात्:—

1. श्री छीरजलाल खेतसीभाई शाह महीदरपुरा,
वानिया शेरी, सूरत (अन्तरक)

2. परशोत्तमभाई तुलसीभाई पटेल, 'अभी झरना',
आरोग्य नगर, अठवा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जोयवार्ड नं० 13/329 रे० सं० नं०
52, पैकी अठवा, नरमद सोसायटी के पास, सूरत में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 1478 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० पी० आर० 569/ए० सी० क्यू० 23-1045/19-7/77-78—अतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ई० सं० नं० 40 पैकी टी० पी० एस० नं० 6 एफ० प्लॉट नं० 96 सी० एस० नं० 32 है, तथा जो खरोदरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) क नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री कान्ताबेन नन्दकृष्णा, नटराज एपार्टमेंट्स के पास, सूरत

(अन्तरक)

2. (1) जान्तीलाल कल्याणदास छेलो मोहलो, रुस्तमपुरा, चरत

(2) प्रवीनचन्द्र छोटालाल सोपारीवाला, दक्षिणी मोहलो, गोपीपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो रे० सं० नं० 40 पैकी टी० पी० एस० नं० 6, एफ० प्लॉट नं० 96, सी० एस० नं० 32, खरोदरा, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 1508 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी सूरत के जुलाई 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1438/77 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 25 फरवरी 1978

निर्देश सं० 68/77-78/आई ए सी/(ए/आर) भुवनेश्वर—

यतः, मुझे अमरेन्द नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाना नं० 524 है, जो जयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-6-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनिवो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती रमा कुमारी देवी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पारस एंटरप्राइजेस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और स्थापित प्लॉट नं० 248, 248/1795 पर जयपुर
टाउन में स्थित है। वह संपत्ति जयपुर सब रजिस्ट्रार आफिस में
1-6-77 तारीख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसका डाकुमेंट नं० 1350
है।

अमरेन्द नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 25 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए० गि०-33/अ० रेंज-IV/कल०/77-78—अतः मुझे,
पि० पि० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 208/1 है तथा जो बाराकपुर ट्रंक रोड स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचत में भुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री प्रफुल्ल कुमार मुखार्जी,

(अन्तरक)

(2) श्री सुकुमार पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसम सं० 208/1, बाराकपुर ट्रंक रोड, थाना-बरातनगर,
24 परगना के अन्तर्गत 7 कट्ठा 9 छटाक 44 स्वा० फिट खाली
जमीन जैसे के 1977 के दलिल सं० 5562 में और पूर्ण रूप से
वर्णित है।

पि० पि० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

दिनांक : 18 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एस० एम०—

(1) श्रीमति एम० राजेश्वरी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्रीमति मल्लिक सुन्दरम्मा

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मार्च 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश :—

निदेश सं० 3911/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी टी एस० सं० 1092/1 जी, म्युनिसिपल वार्ड 2, तिरुचिरापल्लि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, तिरुचि (डाकुमेट 1349/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वजह, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने में अन्तरक का अधिनियम में कमो करने या उसमें वृद्धि में सुविधा मिलेगी, और/या

- (ख) ऐसी किताब या किताबें धन या धन्य प्राप्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाशित नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, जिसे वे सुविधा के लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (2) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—यदि प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-व में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

तिरुचि, म्युनिसिपल वार्ड सं० 2, टी० एस० सं० 1092/1 जी, डोर सं० 4ए/8, म भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 13-3-1978

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st March 1978

No. F.6/78-SCA(1).—Shri H. D. Gulrajani, Offg. Deputy Registrar, Supreme Court of India, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of 28 February, 1978.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 18th February 1978

No. F./1780-Admn.II.—For the words "Section Officer of the office of the A.G.C.R." occurring in the U.P.S.C. Notification No. A. 35017/1/75-Admn.II dated 9th November, 1977, the words "Accounts Officer of the office of A.G.C.R." may be substituted.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

The 4th March, 1978

No. A-31014/2/76-Ad.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints in a substantive capacity on permanent absorption, the following deputationist officer from the State Police of Haryana to the post of Dy. Supdt. of Police in SPE/CBI with effect from 30-10-77 (FN).

Sl. No.	Name of the officer	Present place of posting	State from which on deputation	Branch wherein lien kept on the permanent post of DSP in CBI.
1.	Shri Des Raj, S.P.	CIU(B), New Delhi.	Haryana	CIU-III, New Delhi.

The 6th March 1978

No. PF/P-4/69-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri P. P. Singh, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation Special Police Establishment, Patna on deputation from Bihar State as Senior Public Prosecutor in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 21-3-77 on *ad hoc* basis until further orders.

(This is in supersession of the notification No. PF/P-4/69-Ad.V dated 12-5-77).

No. A-19036/11/75-Ad.V.—On the expiry of his term of deputation, Shri S. B. Purkayastha, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Shillong Branch on the afternoon of 4-2-78.

He was repatriated to his parent State of Assam.

A. K. HUI
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 1st March 1978

No. P.VII-6/76-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the ICFS, the President is pleased to appoint Shri H. C. Sood on promotion on *ad-hoc* basis as Asstt. Commandant in the CRPF with effect from the forenoon of 11th January, 1978.

The 3rd March 1978

No. O.II-1082/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Mohan Limaye as General Duty Officer, Grade II (Dy.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th March 1978

No. D7RCT40.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Ashok Kapur, I.A.S. as Officer on Special Duty in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 1st March, 1978, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 27th February 1978

No. A-19036/3/78-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri M. Ramamurthy, Inspector of Police, C.B.I., Hyderabad Branch and an officer of Andhra Pradesh State Police to officiate as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation Special Investigation Cell, New Delhi with effect from the afternoon of 27-1-78 in a temporary capacity until further orders.

Sp/Coy. Comdr.) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 20th February, 1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 25th February 1978

No. E-16013(1)/1/77-Pers.—On transfer on deputation Shri Prafulla Chandra Ratho IPS (Orissa-56) assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General, Central Industrial Security Force, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the forenoon of 11th January 1978.

This supersedes notification of even number dated 24-1-1978.

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Bokaro Shri I. B. Negi IPS (UP-58) relinquished the charge of the post of Deputy Inspector-General, CISF, Bokaro Steel Ltd, Bokaro Steel City with effect from the afternoon of 3rd February 1978 and assumed the charge of the post of Deputy Inspector-General (Recit. & Training) at CISF HQrs, New Delhi with effect from the forenoon of 10th February 1978.

The 1st March 1978

No. E-32015(1)/5/77-Pers.—The President is pleased to appoint Col. No. S. Puri as Commandant CISF Unit Farakka Barrage Project on re-employment with effect from the afternoon of 6th February 1978 until further orders.

L. S. BISHT,
Inspector General/CISF,

MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECON. AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 5th March 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/63/73 dated 6-10-76, the appointment of Shri B. B. Sen as Assistant Engineer (Mechanical) in Bank note Press Dewas on standard deputation terms is extended for a further period of 1 year with effect from the Afternoon of 12th Nov. 1977.

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification number BNP/C/72/74 dated 5-1-77, the appointment of Shri R. V. K. Chari as Assistant Engineer (Civil) in Bank Note Press Dewas on standard deputation terms, is extended for a further period of 1 year with effect from the 1-8-77.

P. S. SHIVARAM,
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U. P. I.

Allahabad, the 24th February 1978

No. Admn. I/11-144(XIII)/III/365.—The Accountant General U. P. I., Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each:—

1. Sri Jagpal Singh 13-1-78 (FN)
2. Shri Gokulnathan Iyer 27-1-78 (FN)
3. Shri Sheo Pujan Naik 13-1-78 (FN)
4. Sri Gopal Swarup Bhatnagar 18-1-78 (FN)
5. Sri Kuldip Rai Bhalla 16-1-78 (EN)
6. Shri Jagdish Prasad Agrawal 9-2-78 (FN)
7. Sri Suraj Singh 9-2-78 (FN)
8. Shri Brij Behari Lal 13-2-78 (FN)

U. RAMACHANDRA RAO
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 21st February 1978

No. ESI/A4/77-78/866.—The following Officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive

capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names:—

1. Sri S. A. Natarajan.—21-12-1977
2. Sri R. Rangarajan.—21-1-1978.
3. Sri D. Paramasivan.—1-2-1978.

Cd/-
S. C. BANERJEE

Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL CENTRAL
REVENUE

New Delhi, the 3rd March 1978

No. Admn. I/5-5/Promotion/0.0.688/2585.—Consequent on attaining the age of Superannuation, Shri Sri Krishna, a permanent Accounts Officer of this office has retired from Government Service in the afternoon of 28th February, 1978.

His date of birth is 6-2-1920.

K. H. CHHAYA.
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

CHIEF AUDITOR OFFICE
WESTERN RAILWAY

Bombay, the 3rd March 1978

No. SA/HQ/Admn/IX/6/Vol.IV/7645.—Shri N. C. C. Pillay, permanent Section Officer of this office has been promoted to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 840-1200 with effect from 18-2-78 (A.N.) and is posted as Audit Officer (Survey & Construction), Western Railway, Bombay, from the same date.

A. N. BISWAS,
Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 1st March 1978

No. 68018(2)/71-AN.II.—The President is pleased to appoint Shri R. Subramanian, Accounts Officer (on deputation as Senior Accounts Officer in the Ministry of Defence (Department of Defence Production), New Delhi, to officiate in the junior time scale of the regular cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from 10th January, 1978 (forenoon) until further orders, under 'Next Below Rule'.

V. S. BHIR.
Additional Controller General of Defence Accounts.

New Delhi-110022, the 25th February 1978

No. 40011(1)/78/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	Sarvashri			
1.	K. Padmanabhan-I (P/18)	Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
2.	D. N. Bhargava, (P/90)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
3.	A. C. Kapoor (P/114)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks), North, Meerut.
4.	S. Hariharsubramony (P/161)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
5.	V. S. Venkatasubban (P/230)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

1	2	3	4	5
	Sarvashri			
6.	P. Pasupathy (P/260)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Contrller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
7.	S. S. Joshi, (P/264)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
8.	B. Mukherjee (P/275)	Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
9.	V. Ramachandran (P/284)	Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
10.	P. N. Datir (P/542)	Permanent Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.
11.	Narayandas Chakraborty (P/617)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta.
12.	I. D. Joshi, (P/679)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
13.	A. Paul Raj (O/1)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
14.	V. S. Krishnamurthy (O/72)	Officiating Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
15.	C. L. Joseph (O/251)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
16.	M. R. Upadhye (O/313)	Officiating Accounts Officer.	31-5-78	Controller of Defence Accounts (Officers), Poona.

2. The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officer. He has been struck of the strength of the deartment with effect from the date shown against this name.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date of death.	Struck of strength of the Department.	Organisation.
1.	Shri S. K. Sinha Offg. AO (O/46)	Offg. Accounts Officer.	6-11-77	7-11-77 (FN)	C. D. A. (Fys.) Calcutta.

R. VENKATARATNAM,
Deputy Controller General of Defence Accounts (Adm)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS,

New Delhi, the 2nd March 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL ESTABLISHMENT

No. 6/100/55-Admn(G)/2054.—The President is pleased to appoint Shri K. Jayaraman, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in that office, with effect from the forenoon of the 9th February, 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 21st February 1978

No. A-19018/339/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. A. K. Banerjee (Gr. II of IFS) as Director (Gr. II) (E.I.) in the Small Industry Development Organisation on *ad-hoc* basis w.e.f. the forenoon of 7-2-1978.

2. Consequent upon his appointment Dr. A. K. Banerjee assumed charge of the post of Director (Gr. II) (Economic

Investigation) in the office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. the forenoon of 7-2-1978.

No. 12(169)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri N. K. Sen, Deputy Director (Chemical) in Small Industry Development Organisation and on deputation to the Govt of Afganistan under I.F.C. Programme as Expert in General Engineering Industry in Kabul, to retire from Govt. service w.e.f. the afternoon of 30-9-1975 on attaining the age of superannuation.

The 23rd February 1978

No. 12(648)/70-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. K. Basu, Superintendent as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 2-2-1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. K. Basu has assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (G.A.D.) in the Small Industries Service Institute, Kanpur w.e.f. the forenoon of 2-2-1978.

The 24th February 1978

No. A-19018/341/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri C. S. Chaturvedi, Hindi Translator in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries to officiate as Assistant Editor (Hindi) on *ad-hoc* basis, in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 4th February, 1978.

2. Consequent upon his appointment Shri C. S. Chaturvedi has assumed charge of the post of Assistant Editor (Hindi)

in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. 4-2-1978(F.N.).

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (Admn.).

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 3rd March 1978

No. E.II(7).—In this Department's Notification No. E.II(7) dated 11th July, 1969, under Class 6 Division 2, and "S. CORD III" after the entry "S. CORD II"

I.N. MURTY
Chief Controller of Explosives.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st March 1978

No. A-1/1(1046).—Shri A. K. Shome, Superintendent and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1101).—Shri Jadu Prasad, Superintendent (Supervisory level II) and officiating Assistant Director (Admn) (Grade II) in the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 6th March 1978

No. A-1/1(253).—Shri S. K. Mallick, officiating Deputy Director in the Director of Supplies and Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(322).—Shri P. C. Mathur, permanent Director in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposal

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 27th February 1978

No. A-6/247(267).—Shri B. B. Banerjee a permanent Dy. Director of Inspection (Met-Chem) in grade II of the Indian Inspection Service, Met-Chem Branch (Class-I) in Burnpur Inspectorate under the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from Govt. Service on the afternoon of 31-1-78 on attaining the age of superannuation.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 21st January 1978

No. IISCO/Compensation/Policy/10893.—In exercise of the powers conferred upon me as Commissioner of Payments under Section 5(2) of the Indian Iron and Steel Company (Acquisition of Shares) Act, 1976 (Central Act 89 of 1976), I hereby authorize Shri S. R. Barua Chowdhury, an Officer appointed by the Central Government vide Department of Steel Notification No. Ind.II-8(108)/76 dated 27-1-78 as endorsed to me in Ministry's No. Ind(II)8(108)/76 dated

27-1-78 to discharge for and on my behalf, all or any of the powers vested in me as such Commissioner of Payments, as provided under sections 8 and 10 of the said Act.

P. K. SARKAR,
Commissioner of Payments

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th March 1978

No. A.19012(56)/73-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri B. Sanjeeva Rao, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 14th February, 78 until further orders.

H. K. TANEJA,
Administrative Officer,
for Controller.

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd March 1978

No. 1861/B-40/59/19A.—Shri T. P. Ganguly, Asstt. Administrative Officer, Geological Survey of India, retired from Government service on superannuation with effect from 31st December, 1977 (Afternoon).

No. 1878/B/40/59(JNG)/19A.—The Director General, Geological Survey of India is pleased to accept the resignation tendered by Shri J. N. Ghosh, Administrative Officer from the service in the Geological Survey of India with effect from 16-12-1977 (afternoon).

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 27th February 1978

No. 10/112/77/SHI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Babu D. to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Indore with effect from 14-11-77.

The 2nd March 1978

No. 10/93/77/SHI.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Harish Kumar Gupta to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Ahmedabad with effect from 17-1-1978.

A. K. BOSE,
Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi-1, the 4th March 1978

No. 6(22)/62-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Mahadevan, Extension Officer (FW), All India Radio, Madras as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity with effect from 17th February, 1978 and Until further orders.

N. K. BHARDWAJ,
Dy. Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

New Delhi-1, the 28th February 1978

No. A-20012/1/71-FD(Admn.)Vol.II.—Shri K. C. Bikhchandani, Ad-hoc Stores Officer in the Films Division, New

Delhi has been appointed to officiate as Assistant Administrative Officer, Films Division, New Delhi from the F.N. of 13th February, 1978 to 23rd March, 1978 *vice* Shri S. K. Roy, Assistant Administrative Officer granted leave.

S. N. SINGH,
Assistant Administrative Officer,
for Chief Producer

DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi, the 13th March, 1978

No. 2/1/78-FFD.—The last date for receipt of completed entry forms and prints of films for the Twentyfifth National Film Festival, 1978, is hereby extended from 15th March, 1978 to 21st March, 1978.

V. S. KATARA, Director of Films

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 25th February 1978

CORRIGENDUM

No. A.32012/1/76(SJ)-Admn.I.—In this Directorate Notification No. A.32012/1/76(SJ)-Admn.I, dated 31-10-77, for "8th October, 1977" read "8th August, 1977".

The 6th March 1978

No. A.12024/5/76(CHEB)-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. P. Chakravarty to the post of Publicity Officer (Audio-Visual Aids), C.H.E.B., Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the forenoon of 19th December, 1977 on an ad-hoc basis until further orders.

No. A.12025/43/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kuldeep Kumar Mathur to the post of Research Officer (Entomology) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi with effect from the forenoon of 19th May, 1977 on a temporary basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration (O&M).

New Delhi, the 28th February 1978

No. A.19019/25/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Miss) S. Vijayalakshmi to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme at Bangalore on temporary basis with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

Dr. M. B. Singh, Ayurvedic Physician (ad-hoc) in C.G.H.S., Bangalore, relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 24th December, 1977.

N. S. BHATIA,
Deputy Director Admn. (CGHS).

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES

Dehra Dun, 4th March 1978

No. 3-2/78-ADM.—Shri P. S. Ahluwalia, Section Officer, Ministry of Finance (Defence Division) is hereby appointed as Administrative Officer in Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun on deputation terms with effect from 24-2-78 (F.N.) on the terms and conditions contained in Ministry of Agriculture & Irrigation (Deptt. of Agriculture)'s letter No. 30-4/76-EE.1/Forest Estt, dated 30-12-77, until further orders.

S. B. PALIT,
Chief Coordinator.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORE

Bombay-400001, the 23rd February 1978

No. Ref. DPS/2/1(16)/77-Adm./7414.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated December 29, 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period ending April 29, 1978.

B. G. KULKARNI,
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 1st March 1978

No. ADM-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Gajapathi Rao as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 14, 1978 until further orders.

No. AMD-1/28/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. Rajasekaran as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 13, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 23rd February 1978

No. SAC/EST/TESC/13/78.—The Director is pleased to appoint Shri Anand Swarup Agarwal as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 14, 1977 until further orders.

S. G. NAIR,
Head, Personnel & Gen. Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1978

No. A.39013/6/77-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to accept the resignation of Shri S. K. Singh, Asstt. Aerodrome Officer, Madras Airport, Madras with effect from the 31st December, 1977 AN.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 28th February 1978

No. A.32013/9/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri P. R. Chandrasekhar, Deputy Director, Research & Development, to the post of Director, Research & Development, Civil Aviation Department for the period from 19th September, 1977 to the 31st January, 1978, on an ad-hoc basis.

P. C. JAIN,
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 1st March 1978

No. A. 38013/3/77-EA.—Shri L. A. Lobo, Asstt. Aerodrome Officer Bombay Airport, retired from Govt. service with effect from the 31st December, 1977 AN under the provisions of F. R. 56(K).

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 2nd March 1978

No. A. 32014/4/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. P. Rao, Technical Assistant, Aeronautical Communication Station, Bombay to the grade of Assistant Technical Officer on *ad-hoc* basis with effect from the 15-11-77 (FN) and to post him at the same station.

S. D. SHARMA
Dy. Director
of Administration.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL
EXCISE & CUSTOMS PATNA

Patna, the 1st March 1978

C. No. 11(7)1-El/78.—In pursuance of this officer Estt. Order No. 192/77 dated 30-7-77, as modified under Estt. Order No. 327/77 dated 8-12-77 Sri Y. N. Pandey, Inspector of Central Excise & Customs on promotion to officiate as Superintendent, Central Excise & Customs Group "B" has assumed charge as Superintendent, Customs (Prev). Gopalgarh in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, in the fore-noon on 15-12-77.

C. No. 11(7)2-Et/78/2007.—In pursuance of Ministry's order No. 181/77 dated 19-11-77 and this office Estt. Order No. 328/77 dated 8-12-77 Smt. Komla Choudhury, Assistant Collector, Customs, Calcutta assumed charge as Assistant Collector (Tech), Customs, Patna in the fore-noon on 7.2.78.

H. N. SAHU
Collector Central Excise Patna

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 27th February 1978.

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/18/77-Adm.V. dated the 18th January 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri B. K. Goswami to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Gauthati Gauging Division, Gauthati, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period of four months *i.e.* from 1-3-1978 to 30-6-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

No. A-12017/5/76-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/19/77-Adm.V. dated the 7th December, 1977, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri S. A. Shah to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary basis for a further period of four months *i.e.* from 1-3-78 to 30-6-1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

The 28th February 1978

No. A-32014/1/77-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Officers who are presently officiating in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer on an *ad-hoc* basis on a regular basis in an officiating capacity, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB.-35-880-40-1000-EB-40-1200, with effect from the dates shown against their names :—

Sl. No.	Name of Officer & Designation	Date from which appointed on regular basis
1	2	3
1.	Shri I. R. S. Subramanyam Asstt. Engineer.	5-7-77(F.N.)

1	2	3
2.	Km. Yamuna Devi T. S., Asstt. Engineer.	21-7-77(F.N.)
3.	Shri V. V. Ramana Sarma Asstt. Engineer.	31-7-77(A.N.)
4.	Shri C. Venkat Rao Asstt. Engineer.	28-7-77(F.N.)
5.	Shri Rathindra Lal Dutta Extra Assistant Director.	30-9-77(F.N.)
6.	Shri A. K. Valsalan Asstt. Engineer.	5-11-77(F.N.)
7.	Shri N. K. Roy Asstt. Engineer.	7-9-77(F.N.)
8.	Shri B. Venkat Rao Asstt. Engineer.	14-10-77(F.N.)
9.	Shri K. C. Idiculla Asstt. Engineer.	10-10-77(F.N.)

2. The above officers will be on probation for a period of two years with effect from the dates shown against each.

J. K. SAHA,
Under Secretary
Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 1st March 1978

No. 23/2/77-EC-II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 28-2-1978 (AN).

Name & Designation	Office
1. Shri Harbajan Singh, Chief Engineer.	Delhi Administration, New Delhi.
2. Shri N. Samanta, Executive Engineer (Electrical).	Andaman P.W.D., Port Blair.
3. Shri N. K. Chakravarty, Executive Engineer (Electrical).	Calcutta Aviation Electrical Division, Calcutta-700020.
4. Shri B. P. Gupta, Executive Engineer (Civil).	Valuation Unit No. VII, Central Board of Direct Taxes, Calcutta.

S. S. P. RAU,
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

New Delhi, the 28th February 1978

No. 33/12/73-ECIX/27/49/77-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Aggarwal, a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Architect (G.C.H. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100-50-1600 (plus usual allowances) with effect from 18-2-78 (FN) on the usual term and conditions.

2. Shri Aggarwal is placed on probation for period of two years with effect from 18.2.78.

D. P. OHRI
Dy. Director
Adm.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s R. S. Gupta Steel Rolling & General Mills Private Limited.

Jullundur, the 28th February 1978

No. G/State/560/3354/13110.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the M/s R. S. Gupta Steel Rolling & General Mills Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Orissa Minerals & Chemicals Limited.

Cuttack, the 4th March 1978

No. S. O. 643/6576(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Orissa Minerals & Chemicals Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies Orissa.

In the matter of Companies Act 1956 and of Saastha Films Private Limited.

Madras-6, the 6th March 1978

No. DN/4605/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at

the expiration of three months from the date here of the name of Saastha Films Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN
Asst, Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras.

DIRECTORATE OF ORGANISATION &
MANAGEMENT SERVICES (INCOME TAX),
AIWAN-E-GHALIB, MAFA SUNDRI LANE,
NEW DELHI

New Delhi-110002. the 13th February 1978

F. No. 36/7/78-AD/DOMS/1645.—On his Selection for appointment on deputation, Shri Hari Shankar Srivastava, Income-tax Officer, Class-I, has assumed the charge of the office of the Assistant Director, Directorate of Organisation & Management Services (Income-tax), New Delhi w.e.f. the forenoon of 9th February, 1978.

JAGDISH CHAND
DIRECTOR

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Amritsar, the 6th March 1978

No. CB/4/Vol.VI/2683.—Shri S. L. Vermani, Income-tax Officer, Class-II died on 26-2-1978.

B. R. ABROL
Commissioner of Income Tax Amritsar

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 3rd March 1978

Ref. No. IAC/Acq./1299/77-78/—Whereas, I. N. S. CHOPRA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

25/145 situated at Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sushilla Rani alias Sushila Agarwal alias Sushila Devi w/o Shri Rajendra Prasad, R/o 25/134 Shakti Nagar, Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Devender Kumar Goyal
S/o Shri Chedha Lal,
2. Smt. Attar Kali,
W/o Shri Om Parkash,
R/o 2202, Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. New Super Cooperative Consumer Store.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A three storcyed house constructed on a plot of land measuring about 200 sq. yds. bearing property No. 25/134, Shakti Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Building No. 25/139
South : Building No. 25/133
East : Road 40'
West : Service Road 15 ft.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 3rd March, 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 13th February 1978

Ref. No. CA5/July'77/Thana/349.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2, H. No. 1-CTS No. 77 Tikka No. 15 situated at Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Thana on 30-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind Hiraji Nakhwa,
Smecta, Behind United Sports Club,
Chendani, Koliwada, Thana (East).

(Transferor)

(2) M/s. M. F. More & Co.
"Devdaya", Vishnu Nagar, Naupada,
Thana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT vacant piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vishnu Nagar, Naupada, Bajiprabhu Deshpande Road, Taluka and District Thana in the Registration Sub-District of Thana and containing by admeasurement 577.00 sq. yds.

i.e. or thereabouts and bearing S. No. 2 (part) C.T.S. No. 77 Tikka No. 15 and bounded as follows: On the East by Vir Bajprabhu Deshpande Road, on the West by "Declip Kuni" on the North by Mr. Hiraji Nakhwa's property and on the South by Mr. Mhatre's property.

(Property as described in the sale deed registered under No. 200 dated 30-7-1977 in the office of the Sub-Registrar, Thana).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 13-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th March 1978

Ref. No. Acq/1368-A/Dehradun/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29 and 47/11, Vidhan Sabha Marg, Lucknow (Four storeyed AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 23-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—516 GI/77

- (1) BDR. Lakshmi Narain Sabherwal,
Col. Jagdish Narain Sabherwal,
Col. Om Prakash Sabherwal and
Shri Suraj Narain,
All sons of late Shri Shiv Narain Sabherwal,
R/o 1, Birpur Estate, Dehradun
Through Attorney BDR. Lakshmi Narain Sabherwal.
(Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Bansal
Son of Late Dharam Prakash Bansal,
R/o No. 3, Dhapwala Bazar, Dehradun.
(Transferee)
- (3) Shri I. C. Swami,
Meena Garwal.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of single storied house bearing No. 35/48, situated at National Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 70,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/967-A/B. Shahar/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 21-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tularam Alias Tulli S/o Dal Singh,
R/o Village Mohammadpur, Gudar, Parg. Dankaur,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Lakhmeri w/o Bachchu Singh,
Smt. Kalawati w/o Jila Singh,
R/o Samauddinpur
Chandrawati w/o Mahar Chand and
Bharpai w/o Dharam Veer,
R/o Kaimrara Parg. Dankaur,
Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of land measuring 9 bigha 12 biswa situated at Mohamadpur, Parg. Dankaur, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-3-78
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/951-A/B.Shahar/77-78/.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVAbeing the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anupshahar on 3-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Shri Shiv Singh S/o Sher Singh,
R/o Dugrajaat, P.O. Sarvani,
Parg. and Teh. Anupshahar,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) S/Shri Lakhmi Chand and Baburam,
Both sons of Raji Lal,
R/o Gugrajaat, P.O. Sarvani,
Parg. and Teh. Anupshahar,
Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measur-
ing 5 Bigha, 14 Biswa and 7 Biswansi, situated at Village
Tahangeerabad, Teh. Anupshahar, Distt. Bulandshahar, trans-
ferred for an apparent consideration of Rs. 55,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-3-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 8th March 1978

Ref. No. Acq/1065-A/B.Shahar/77-78/.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anupshahar on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shiv Lal son of Kidamal
R/o Bandhor Parg Dibai, Teh. Anupshahar,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi w/o Digamber Lal Sharma
Village Panna, P.O. Gangawali,
Teh. Khurja, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land comprising in Khata Numbers 165 and 62, measuring 6 Bigha 19 Biswansi, situated at Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 36,000/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 8-3-78

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Gayatri Devi w/o Shanti Swaroop Goyal,
R/o 20, Nehru Nagar, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR,

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/884/Agra/77-78/.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing sy. No. as per schedule situated at AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 26-12-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) Vinod Singh Jain,
S/o Jalim Singh Jain,
9/355, Moti Katra, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 36/330 (Kothi No. 86) Nehru Nagar, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs. 2,05,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-3-78

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kam Chander S/o Kanhiya,
R/o Vill. Pipasa, P.O. Aurangabad,
Parg. Syana, Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1018-A/B.Shahar/77-78.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA

being the competent authority under section 269B of the
Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bulandshahar on June, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth, tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(2) S/Shri Shyodan Singh, Jeet Singh, Rajendra Singh,
Agamveer Singh, Ashok Singh
Sons of Sardar Singh and
Sumitra Devi W/o Jagveer Singh,
R/o Vill. Pipasa, P.O. Aurangabad, Parg. Syana,
Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land meas-
uring 7 Bigha, 4 Biswa and 15 Biswani situated at Parg. Syana
Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration
of Rs. 45,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Guru Shanker Chaudhari,
113/331, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Agrawal Plastic Industries Pvt. Ltd.
111/324, Ashok Nagar, Kanpur.
Through Sri Rajendra Kumar Agrawal, Director.
(Transferee)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 10th March 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. Acq/826/Kanpur/77-78.—Whereas, I,

R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Kanpur, on 18-10-77for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House property bearing
No. 148-B, Dadanagar, Kanpur, transferred for an apparent
consideration of Rs. 95,000/-.R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1016-A/Budhana/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Budhana on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Sahab Singh S/o Khila
R/o Issapur, Parg. Kandhla, Teh. Budhana,
Distt. Muzaffarnagar

(Transferor)

(2) Shri Kala S/o Mukhtyara,
Shri Bhola S/o Khacheru,
S/Shri Peetamber Singh, Palla and Kripal
S/o Gagnu Singh,
S/Shri Om Prakash and Peetam (Minor)
S/o Tilka
Through Om Prakash
R/o Issapur, Parg. Kandhala,
Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural land measuring 15 Bigha 3 Biswa situated at Vill. Issapur, Parg. Kandhala, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration of Rs. 61,425/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,
KANPUR,

Kanpur, the 10th March

Ref. No. Acq/983-A/Roorkee/77-78/.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—516 GI/77

(1) S/Shri Abdul S/o Alladiya, Ahsan Ilahi and Mohd. Saleem and Naseem, Sons of Abdul Through Smt. Aashee R/o Village Ransura, Parg. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Said Ahmad, Saleem Ahmad and Naseem Ahmad Sons of Ishaq, Jahid Hasan, Abdul Sahar, Mohd. Iqbal, Mohd. Islam Sons of Yaseen through Mohd. Yaseen (Father and Natural Guardian), Mohd. Aakil, Mohd. Galib, Mohd. Talib, Mohd. Shakeel, Mohd. Aarif and Mohd. Nafees sons of Mohd. Kasim (Father), R/o Village Ransura, Parg. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 17 Bigha 19 Biswa situated at Village Ransura, Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 54,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagat Ram S/o Kanhaiya,
R/o Chandrawali, Parg. Sikandrabad,
Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/971-A/G.Bad/77-78/.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Sikandrabad on June 1977
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) S/Shri Harpat Singh and Dhanpal Singh
Both Sons of Rajaram
R/o Chandrawali Parg. Sikandrabad and
Harpati Devi W/o Ram Chander
R/o Kaila, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land meas-
uring 7 Bigha, 10 Biswa and 10 Biswansi, situated at Vill.
Chandrawali, Parg. Sikandrabad, Distt. Ghaziabad transferred
for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-3-78
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
DHARWAR-4

Dharwar-4, the 9th March 1978

Notice No. 208/77.78/Acq.—Whereas, L. D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing M. No. 924(Old), 860(New), Asst. No. 884 situated at B.H. Road, Arsikere, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arsikere, under Document No. 3295/77.78 on 13-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri S. Nanjappa S/o Sombegowda,
(2) Kumar Lakshminarayan S/o Nanjappa
(3) Kumar Shanthakumar S/o Nanjappa
(4) Kumar Shreedhar S/o Nanjappa, and
(5) Kumar Girish Babu S/o Nanjappa
Now residing at
M/s. Cauvery Soap Nut Industries
Near Opera, Mysore City.

(Transferors)

- (2) Shri S. M. Veerabhadrappe
S/o Kallajjappana Marulappa,
Settihal Hobli, Singatagere Hobli, Kadur Taluk,
(Chickmagalore Dist).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of a R.C.C. Building and vacant site situated on B.H. Road, Arsikere, bearing Municipal No. 924 (Old), 860(New), Asst. No. 884.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

DHARWAR-4

Dharwar-4, the 9th March 1978

Notice No. 209/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 2535, 2536 and 2537, situated at Fort Area, Holenarasipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Holenarasipur under Document No. 2848 on 16-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Y. Ananthanarayan,
Assistant Professor, P.S.G. College of
Technology, Coimbatore,
 - (2) Shri Jeevanshankar,
Lecturer, Indian Institute of Science,
Bangalore,
 - (3) Shri N. Panduranga Vittal,
Foreman, Bocoro Steel Factory,
(Bihar State),
 - (4) Smt. Sarojamma W/o Late Y. Narasappa,
Staying at Sl. No. 1.
 - (5) Kumari H. N. Kalawathi
 - (6) Kumari Naveenamba
 - (7) Kumari Vimalabai
 - (8) Kumari Leelavathi
Address Sl No. (1).
- (Transferors)
- (2) (1) Shri A. S. Parameshwariah,
 - (2) Shri A. S. Mahadevaiah, and
 - (3) Shri A. S. Shridhariah,
M/s. A. S. Parameshwariah & Bros.,
Indian Oil Dealers,
Holenarasipur (Hassan Dist.).
- (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The immovable property consists of R.C.C. building, two buildings and vacant site, bearing Nos. 2535, 2536 and 2537. Situated in Fort Area, Holenarasipur.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date : 9-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1759/—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sarai Khas (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Prito, Dhano Ds/o Shri Mangta S/o Shri Roda, Vill. Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Sewa Singh s/o Shri Darshan Singh
S/o Shri Roda,
2. Shri Balwinder Singh,
3. Shri Dilbagh Singh,
Ss/o Shri Dhana s/o Shri Roda,
Village Sarai Khas, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sarai Khas, Teh. Jullundur as mentioned in the Registration sale deed No. 2821 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1760/.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Preet Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Prabh Dayal
R/o Ghardiwal, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Satya Ram s/o Shri Kani Ram,
Peon Bank of India, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No. 2279 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1761/-.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Green Park, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh
545-Model Town, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Bhajan Singh s/o Shri Mehar Singh
R/o V: Rurka Kalan, Teh. Phillaur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 140-Green Park, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 2466 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 6th March 1978

Ref. No. AP-1762/.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing AS PER SCHEDULE situated at Chak Hussain-Lama Pind (Jullundur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Puran Singh s/o Shri Battan Singh
G.A. to Shri Santokh Singh s/o Shri Bishan Singh,
R/o Santokhpura, Jullundur.
(Transferor)
- (2) S/Shri Darshan Singh, Sucha Singh,
Ss/o Shri Puran Singh
R/o Santokhpura, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Chak Hussaina-Lama Pind, Jullundur as mentioned in the registration sale deed No. 2611 of July, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
JULLUNDUR

Jullundur the 6th March 1978

Ref No AP 1763 —Whereas, I, B S DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing AS P-R SCHEDULE situated at Old Jawahar Nagar Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Smt Mohinder Kaur
wd/o Shri Surjit Singh (Self) and G.A to
2 Km Narinder Kaur (Minor)
3 Shri Harbhajan Singh s/o Shri Surjit Singh
4, Permjit Singh s/o Shri Surjit Singh
5. Pervinder Kaur
6 Kulwant Kaur
ds/o Shri Surjit Singh, 983-B, Prem Nagar,
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh s/o Shri Santa Singh,
3-B Old Jawahar Nagar,
Jullundur
(Transferee)
- (3) As per Sl No 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No 2681 of July 77 of the registering authority, Jullundur

B, S DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date 6-3-1978

Seal ,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 18th February 1978

Ref. No. AP/117/BD/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated Vill. Deo Wal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh s/o
Sh. Jawala Singh s/o Sh. Watan Singh,
Village Deo Wal,
Teh. & Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Khushi Ram, Malkiet Singh ss/o
Sh. Shanker Dass,
village Khawaspur & (2) Sh. Dalipa s/o
Sh. Uttam,
village Kandhali.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 85 Kanals in village Deo Wal, Teh. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 957 of June, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhatinda

Date : 18-2-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Devi Dayal s/o Sh. Chiranjil Lal
s/o Sh. Girdhari Lal,
village Bajwara, Teh. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Sohan Singh, Sh. Mohunder Singh
ss/o Sh. Rattan Singh,
village Mehli, Teh. Nawan Shehar,
Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 18th February 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP 118/BT/77-78.—Whereas I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Village Bajwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 56 Kanals 18 marlas in village Bajwara, Teh. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1386 of July, 1977 registered with the S. R. Hoshiarpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 18-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 119/27/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shanta Rani w/o Sh. Chaman Lal
s/o Sh. Atam Ram,
R/o Malout. (Transferor)
- (2) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Jagan Nath s/o
Sh. Aidan c/o M/s Jagan Nath Ashok Kumar.
Near Old State Bank, Malout. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property,
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house on a plot of land measuring 25'×60' i.e. 166.7 sq. yards situated in Adarsh Nagar, bearing No. BVIII/142 in Malout as mentioned in sale deed No. 1223 of July, 1977 registered with the S.R. Malout.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 120/BTD/77-78.—Whereas I. P. N. MALIK

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Tehung

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Gurdev Kaur wd/o Sh. Avtar Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, resident of village Tehung, Teh. Phillaur.

(Transferor)

- (2) Shri Amarjit Singh s/o Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Ujjagar Singh (13 Kanals) (2) Sh. Jatinder Singh s/o Sh. Bikramjit Singh s/o Sh. Gurdial Singh (8 Kanal 1 Marla) V. & P.O. Tehung, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 Kanal 1 Marla in village Tehung, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1670 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date . 27-2-1978
Seal .

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 121/BTD/77-78.—Whereas I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Village Tehung (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shmt. Sukhjot Kaur d/o Sh. Autar Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, village Tehung, Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Sh. Amarjit Singh and Sh. Vikramjit Singh ss/o Sh. Gurdial Singh s/o Sh. Ujjagar Singh, village Tehung, Teh. Phillaur, Dist. Jullundur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Kanal and 6 Marlas situated in village Tehung, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1469 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP No. 122/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Samsabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Harbhajan Dass s/o Sh. Dhanna Ram
S/o Sh. Rama Ram,
village Samsabad, Teh. Phillaur
(Transferor)
- (2) Sh. Sucha Singh, Sh. Kewal Singh s/o
Sh. Banta Singh, s/o Sh. Bhula Singh,
village Nagazza,
Teh. & Distt. Jullundur
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Persons in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals 4 marlas in village Samsabad, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1633 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHATINDA

Bhatinda, the 27th February 1978

Ref. No. AP 123/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on July, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Shri Shanker Dass s/o Sh. Gandu Mal
c/o Sh. D. P. Sud,
V-B/III/118-Bharat Heavy Electrical,
Ranipur, Haridwar (UP).

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Pal, Sh. Brij Bhushan ss/o
Sh. Om Parkash,
House No. B-II-545-35, Perhlad Nagar, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-II/545/35 in Perhlad Nagar, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1573 of July, 1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 27-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 16th March 1978

Ref. No. AP 130/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule

As per schedule situated at Gari Maha Singh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

14—516 GI/77

(1) Sh. Kewal s/o Sh. Bhagat Singh,
Sh. Kala Dass ss/o Sh. Roda
s/o Sh. Sunder Singh,
R/o Gari Maha Singh,
Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) Sh. Lambar Singh s/o Sh. Bujha Singh,
R/o Jajja Khurd,
Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals in village Gari Maha Singh as mentioned in sale deed No. 1467 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP/131/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Indna Kalerka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Faquir, Sh. Hazoor Singh ss/o
Sh. Bikkai Singh, V.P.O. AUR,
Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) Smt. Avtar Kaur w/o Sh. Satnam Singh,
V.P.O. Paddi Khalsa,
Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals and 15 marlas in village Indna Kalerka, Teh. Phillaur as mentioned in sale deed No. 1627 of July, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Sh. Jit Singh s/o Sh. Ram Singh
s/o Sh. Mehtab Singh,
R/o village Mudki,
Teh. Ferozepur,

(Transferor)

(2) Sh. Major Singh, s/o Sh. Bakhtawar Singh
s/o Sh. Bhagat Singh,
village Wallor,
Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP 132/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule
situated at Vill. Mudki

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 69 Kanals and 4 marlas in village Mudki, as mentioned in sale deed No. 2044 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 133/1377/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Thakur Singh, Shmt. Tej Kaur widow, Smt. Kartar Kaur, Smt. Chando, Smt. Daljit Kaur wd/o Sh. Kundan Singh, R/o village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.
(Transferors)
- (2) Sh. Amrik Singh, Sh. Namder Singh s/o Sh. Karnail Singh, Shmt. Gurnam Kaur w/o Sh. Kartar Singh, R/o village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.
(Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2096 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 134/BTD/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajinder Kaur W/o Sh. Mohinder Singh, s/o Sh. Sadhu Singh, village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur, (Transferor)
- (2) S/Shri Ajit Singh Mohinder Singh Niranjn Singh, Harbhajan Singh ss/o Sh. Nand Singh s/o Shri Bhag Singh, R/o Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 7 marlas in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2181 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. A.P. 135/BT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozepur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Baljit Indet Singh Sodhi s/o
Sh. Mohinder Singh Sodhi,
R/o Mohinder Singh Sodhi,
Teh. Ferozepur.
(Transferor)
- (2) Smt. Dalip Kaur d/o Sh. Sucha Singh,
R/o village Bhama Tanda,
Teh. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 2199 of July, 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. AP 136/BDT/77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Data (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Prem Paul Singh and Shmt. Stwant Kaur s/o & d/o Sh. Kartar Singh,
R/o Data, Teh. Zira.

(Transferors)

(2) Shmt. Charanjit Kaur w/o Sh. Bant Singh,
R/o Jahaliana, Teh. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 54 Kanals and 14 Marlas situated in village Data as mentioned in sale deed No. 2567 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 137/BD./77-78.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
As per schedule
situated at Kishan Pura Khurd
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Thakur Singh,
R/o Kishan Pura Khurd,
Teh. Zira.
- (2) Sh. Baj Singh s/o Sh. Teja Singh,
R/o Kishan Pura Khurd,
Teh. Zira.
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 11 marlas in village Kishan Pura Khurd as mentioned in sale deed No. 2784 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS.—

(1) Smt. Parsino d/o Smt. Attar Kaur
wd/o Sh. Hira Singh,
R/o Bahik Guzman,
Teh. Zira.

(Transferor)

(2) Smt. Dalip Kaur w/o Sh. Makhan Singh
s/o Sh. Suraj Singh
R/o Bahik Guzman,
Teh. Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 48 Kanals in village Bahik
Guzran, as mentioned in sale deed No. 2478 of July, 1977
registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 138/BT/77-78.—Whereas I. P. N. MALIK,
being the competent authority under section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule

situated at Vill. Bahik Guzman

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

15—516 G1/77

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 139/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kaile (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Kuldip Singh, Sh. Manjit Singh s/o Sh. Kirpal Singh, village Kaile, Teh. Zira.

(Transferors)

- (2) Sh. Mukhtiar Singh, Sh. Tirlok Singh s/o Sh. Harnam Singh s/o Sh. Jhanda Singh, village Kaile, Teh. Zira.

(Transferees)

- (3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals in village Kaile as mentioned in sale deed No. 2839 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 6th March 1978

Ref. No. AP 140/BT/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per schedule

situated at Vill. Kaile

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Kirpal Singh s/o Sh. Lal Singh
s/o Sh. Mool Singh,
village Kaile,
Teh. Zira. (Transferor)
- (2) Sh. Mukhtiar Singh, Sh. Tarlok Singh ss/o
Sh. Harnam Singh,
village Kaile,
Teh. Zira. (Transferees)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 55 Kanals and 3 marlas in village Kaile, Teh. Zira as mentioned in sale deed No. 2838 of July, 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 6-3-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 237/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-18 situated at Chikkadpally (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Sri Rama Reddy,
G.H. No. 1-8-18 at Chikkadpally,
Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Padma Bai,
W/o Sri Krishna Kumar (Agarwal),
H. No. 21-3-636 at Pattergatti,
Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-8-18 at Chikkadpally, Hyderabad, area 200 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 2004/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
HYDRABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 238/77-78 Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-372/2 portion A Ghasmandi, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 30-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Smt. Ayesha Begum,
2. Smt. Mainanathunissa Begum,
3. Smt. Lateefunissa Begum,
4. Shri Syed Maqdoom,
5. Smt. Zubeda Banu,
6. Shri Naseruddin Shaik Imam,
7. Shri Nizamuddin Shaik Imam,
H. No. 16-8-244/1 Kaladara, Malakpet, Hyderabad.
8. Shri Munawaruddin Shaik Imam,
9. Shri Burhanuddin Shaik Imam,
10. Smt. Zuhra Banu,
11. Shri Moynuddin Shaik Imam,
All residing at H. No. 16-8-143/2, Kaladara Malakpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Smt. Koppuncori Basamma,
W/o late K. Bowrah,
H. No. 5-1-385/1 Mekala Banda, Old Ghasmandi, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot portion of H. No. 5-1-372/2 at Mekala Banda, Old Ghasmandi, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1198/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-3-1978

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 239/77-78.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/329-F situated at Cuddapah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddapah on July, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Smt. Allapureddy Laxmamma,
W/o A. Venkatnarayanreddy,
Surabhi Village., Rayachoti-Tq.,
Cuddapah Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kadyeti Hanumareddy,
S/o Venkareddy,
Yerramukapally, Gandhinagar,
Cuddapah,

2. Sri K. Ravindrareddy,

3. Sri K. Swathantrakumar Reddy,
All residing at Gandhinagar,
Cuddapah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 1/329-F situated at Gandhinagar, Yerramukkipally), Cuddapah-Town registered vide Doc. No. 3637/77 with the Sub-Registrar, Cuddapah.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Chittam Kamallamma
W/o Sri Chittam Lalliah,
112, Zeera Compound,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Madapu Viramallesha
S/o M. Bonthappa,
H. No. 39-Zeera,
Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th March 1978

Ref. No. RAC. No. 240/77-78.—Whereas, I. K. S. VEN-
KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing No.

7-2-148 situated at Market St.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Secunderabad on 20-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub-section (1) of
Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 7-2-148 at Mission School Street, Secunderabad,
registered vide Doc. No. 1128/77 with the Sub-Registrar
Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Sabarmati Harijan Ashram Trust,
Sabarmati Ashram,
Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Umang Park Co-op. Housing Society Ltd.,
Bungalow No. 91/27/1, Kalyan Gram Society,
Outside Shahpur Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASURAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ahmedabad-380 009, the 4th January 1978

(b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

No. Acq.23-I-1328(623)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKHI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 361-62-66 of Sub-Plot No. 21 of Ranip situated at Ranip, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 25-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 3998.09 sq. yards, bearing Nos. 361, 362 & 366, S.P. No. 21 of Ranip Ward and as fully described in sale-deed No. 4867 registered in the registering officer at Ahmedabad in the month of July, 1977.

S. C. PARIKHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

Date : 4th January, 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380-009, the 10th January 1978

No. Acq.23-I-1323(626)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F. & P. No. 465/18-A-1 of T.P.S. 3 situated at Changlespur Kalyan Society, Mithakhali, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 22-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—516 GI/77

- (1) Shri Himmatlal Ranchhodlal,
A/2, "Avkar Apartments",
Opp. Devkinandan Society,
Near Jain Derasar, Navrangpura,
Ahmedabad. (Transferor)
- (2) (1) Shri Pradeepkumar Dipakbhai Shah,
(2) Shri Pragnesh Deepakbhai Shah,
2, Paras Kunj Society,
Opp. Gujarat Samachar Building,
Ahmedabad. (Transferee)
- (2) Smt. Shantaben Deepakbhai Shah,
Kalyan Society, Mithakhali,
Ahmedabad. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing Final Plot No. 465/18-A-1, T.P.S. 3, Ahmedabad—land area admeasuring 664 sq. yds. and built up area 353 sq. yds. and as fully described in sale-deed No. 4848 registered with the registering Officer, Ahmedabad in July, 1977.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th February 1978

No. Acq. 23-I-1379(632)/16-6/77-78.—Whereas I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

405-3, situated at Dr. Yagnik Road, Opp. Kanya Chhatralaya, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 14-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mansukhlal Ramjibhai,
Power of Attorney Holder of—
(1) Shri Ramjibhai Savajibhai,
(2) Smt. Hemkunvarben Damjibhai,
Bhupendra Road, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Raghunandan Harjivanbhai,
Jai Shyaram Pandaralla,
2, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land admeasuring 266.6 sq. yds. bearing S. No. 405-3 situated at Dr. Yagnik Road, Opposite Kanya Chhatralaya, Rajkot.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 4th February 1978,
Seal ;

FORM ITNS

(1) Kamuben daughter of Amin Jasbhai Shivabhai
Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

(2) Ketankumar & Co.,
Through its partners :

1. Patel Ravindrabhai Manibhai,
21, R. N. Mukharji Road, Calcutta.
2. Patel Rasikbhai Manibhai,
21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.
3. Kusumben Kirtibhai,
16, Ravland Road, Calcutta.
4. Kalapanben Jayantkumar,
16, Ravland Road, Calcutta.
5. Kanubhai Dahyabhai,
Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

No. P.R. No. 551 Acq.23-1016/13-8/77-78.—Whereas, I,
D. C. GOEL,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Tika No. 17 City Sur. No. 94/A/2A H. No. 1543 S. No.
285A/1/5 Paiki North side 428-66-26 paiki Ground Floor
and Cellar situated at Santram Society, Nadiad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Nadiad in June 1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building, Tika No. 17,
C.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1, Sur. No. 285-A/
1/5 (Paiki) Sq. mts. 642-98-39 (Paiki) North side Sq. Mts.
428/66/26 Paiki Ground Floor and Cellar R.C.C. Built up
area 33.3 × 27.9 height 14 situated at Ratanjit Patti, Sant-
ram Society, Nadiad as described in the sale deed registered
under registration No. 2074 in the month of June, 1977 by
registering Officer, Nadiad.

P. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 9th February 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 552 Acq.23-1017/13-8/77-78.—Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 17, City Sur. No. 94/A/2A H. No. 1543 S. No. 285A/1/5 Paiki North Side 428-66-26 paiki 1st Floor and Garage situated at Santram Society, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nadiad in July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Kamuben daughter of Amin Jasbhai Shivabhai Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

(2) Ketankumar & Co.,

Through its partners :

1. Patel Ravindrabhai Manibhai,
21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.

2. Patel Rasikbhai Manibhai,
21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.

3. Kusumben Kiritbhai Road, Calcutta.
16, Rav Land Road, Calcutta.

4. Kalapanaben Jayantkumar,
16, Rav Land Road, Calcutta.

5. Kanubhai Dahyabhai,
Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building, Tika No. 17, G.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1 Sur No. 285A/1/5 (Paiki) Sq. mts. 642-98-39 (Paiki) North side Sq. mt. 428/66/26 (Paiki) 1st Floor and garage built up area 33.3 × 27.9 and 18 × 12.4" situated at Ratanji Patti, Santram Society, Nadiad, as described in the sale deed registered under registration No. 2117 in the month of July, 1977 by registering Officer, Nadiad.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9th February 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 553 Acq. 23-1018/13-8/77-78.—
Whereas, I. D. C GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tika No. 17, City Sur No. 94/A/2A II. No. 1543 S. No. 285A/1/5 (Paiki) Sq. mt. 214-32-13 situated at Santram Society, Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad in July 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kamuben daughter of Amin Jasbhai Shivabhai Santram Society, Nadiad.

(Transferor)

(2) Ketankumar & Co.,
Through its partners :
1. Patel Ravindrabhai Manibhai,
21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.
2. Patel Rasikbhai Manibhai,
21, R. N. Mukherji Road, Calcutta.
3. Kusumben Kiritbhai,
16, Rav Land Road, Calcutta.
4. Kalapanaben Jayantkumar,
16, Ravland Road, Calcutta.
5. Kanubhai Dahyabhai,
Near Prabhat Cinema, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property being land and building Tika No. 17, C.S. No. 94/A/2A Area 0-6-43 Ward 1, Sur. No. 285-A/1/5 (Paiki) Sq. mts. 214-32-33, built up area 37.3" × 28' situated at Ratanji Patti, Santram Society, Nadiad, as described in the sale-deed registered under registration No. 2081 in the month of July, 1977 by registering Officer, Nadiad.

P. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th February 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 554 Acq.23-1019/19-7/77-78.—

Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 9, Nondh No. 324 situated at Chakawala's Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Trustees appointed by Will of Pravinaben Harivadan Thakor

1. Shri Hariprasad Chimanlal Thakor
2. Shri Markand Chandrakant Thakor
3. Shri Prakash Vasantlal Mehta;

Lemington Road, Amir House,
Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jashvantlal Gulabdas;
2. Shri Shashikant Gulabdas;
3. Shri Balvantrai Gulabdas;

Navapura, Lad Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and some old construction being Ward No. 9, Nondh No. 324 situated at Chakawala's Sheri, Surat measuring 77 sq. yds. as described in the sale deed registered in the month of June, 1977 under registration No. 1221 by registering Officer, Surat.

P. C. GOEL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th February 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th February 1978

Ref. No. P.R. No. 555 Acq. 23-1020/19-7/77-78.—
Whereas, I. D. C. GOEL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 325 Chakawala's Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Trustees appointed by Will of Pravinaben Harivadan Thakor
1. Shri Hariprasad Chimanlal Thakor
2. Shri Markand Chandrakant Thakor
3. Shri Prakash Vasantlal Mehta;
Lenington Road, Amir House,
Bombay.

(Transferor)

- (2) 1. Ishvarlal Gulabdas;
2. Shri Jayantilal Gulabdas;
3. Shri Laxmichand Gulabdas;
4. Shri Champaklal Gulabdas;
Lad Sheri, Navapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Chakawala's Sheri, Surat, Ward No. 9, Nondh No. 325 admeasuring 146 sq. yds. as described in the sale-deed registered in the month of June, 1977 vide registration No. 1220 by registering Officer, Surat.

P. C. GOEL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 9th February 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

No. PR.561/Acq.23-1037/19-7/77-78.—Whereas, I., D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A paiki N. No. 317 paiki situated at Chakawala's Sheri, Vadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Surendra Thakorlal Thakor, 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7. (Transferor)
- (2) Shri Ishverlal Nathubhai Jariwala, Kantani Wad, Navapura, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 9, Nondh No. 317, 629 and 631-A paiki Nondh No. 317 paiki situated at Chakawala's sheri, Vadi Falia, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1314 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd March, 1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

- (1) 1. Shri Surendra Thakorlal Thakor;
2. Smt. Prangauri Surendra Thakor; 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7.
3. Shri Surendra Thakorlal Thakor;
4. Ketakiben Sureshchandra Thakor;
5. Pranav Sureshchandra Thakor; No. 3, 4 & 5 at 54, Pritamnagar Society, Ahmedabad-6.
6. Arvindaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor; 3-A Short, Street, Calcutta, P. A Holder, Harshidaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Falia, Surat.
7. Harshidaben d/o o Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Falia, Surat.
8. Ushaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor, Wadi Falia, Surat

(Transferor)

- (2) Shri Champaklal Chunilal; Shri Shantilal Champaklal; Vachali Sheri, Navapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631 paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 4 situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat admeasuring 77 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 316 registered in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2nd March, 1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 563.Acq.23-1039/19-7/77-78.—Whereas, I. D. C. GOEL, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 & 631-A Paiki N. No. 317 paiki situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Surendra Thakorlal Thakor; 5-Gujarat Society Ahmedabad-7.
(Transferor)
- (2) Shri Dhirajlal Nathubhai Jariwala; Kantanivad, Navapura, Surat.
(Transferee)

Confirming party :—

- (3) 1. Shri Suresh Thakorlal Thakor; 56, Pritamnagar Society, Ahmedabad.
2. Arvindaben d/of Thakorlal A. Thakor; Calcutta.
- Ushaben d/o Thakorlal A. Thakor;
4. Harshidaben d/of Thakorlal A. Thakor; Wadi Falia, Surat.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629 and 631-A paiki Nondh No. 317 paiki-situated at Chakawala's sheri, Wadi Falia, admeasuring 73.1 sq. yds. as described, in the sale-deed registered under registration No. 1318 registered in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2nd March, 1978.
Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 564.Acq.23-1040/19-7/77-78.—Whereas, I. D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki N. No. 317 paiki Block No. 3 situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Surendralal Thakorlal Thakor;
 2. Smt. Prangauri Surendra Thakor, Both at 5, Gujarat Society, Ahmedabad-7.
 3. Shri Sureshchandra Thakorlal Thakor;
 4. Ketakiben Sureshchandra Thakor;
 5. Pranav Sureshchandra Thakor; 56, Pritamnagar Society, Ahmedabad-6.
 6. Arvindaben d/of Thakorlal Amrutlal, Calcutta, P. A. Holder: Harshidaben d/of Thakorlal Amrutlal Thakor.
 7. Harshidaben d/o Thakorlal Amrutlal Thakor, Vadi Falia, Surat.
 8. Ushaben d/of Thakorlal Amrutlal; Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat.
- (Transferor)

- (2) 1. Shri Champaklal Chunilal Jariwala;
 2. Shri Thakordas Champaklal Jariwala; Vachali Sheri, Navapura, Surat.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki, Nondh No. 317 paiki, Block No. 3, situated at Chakawala's Shri, Vadi Falia, Surat admeasuring 77 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 1320 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd March, 1978.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 560.Acq.23-1036/19-7/77-78. —Whereas I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki N. No. 317 paiki Block No. 7, situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Surendra Thakorlal Thakor;
2. Prangauri Surendra Thakor; 5-Gujarat Society, Ahmedabad-7.
3. Sureshchandra Thakorlal Thakor;
4. Ketkiben Surenschandra Thakor;
5. Pranav Sureshchandra Thakor; No. 3, 4 & 5 at 56, Pritamnagar Society, Ahmedabad-6.
6. Arvindaben d/of Thakorlal A. Thakor, Calcutta, P. A. Holder, Harshidaben d/of Thakorlal A. Thakor, Wadi Falia, Surat.
7. Harishidaben d/o Thakorlal A. Thakor; Wadi Falia, Surat.
8. Ushaben d/o Thakorlal A. Thakor, Wadi Falia, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Ishverlal Chandulal; Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 317, 629, 631-A paiki Nondh No. 317 paiki Block No. 7, ad-measuring 54-40 sq. yds. situated at Chakawala's Sheri, Wadi Falia, Surat as described in the sale deed registered under registration No. 1319 in the month of July, 1977 by the registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 2nd March, 1978.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Dahyabhai Mohanbhai Desai;
2. Smt. Maniben Dahyabhai Desai; Soni Falia, Gopipura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

- (2) 1. Shri Kavalbhai Naranji alias Lalubhai Patel;
2. Shri Rameshbhai Kavalbhai Patel;
3. Shri Jayantilal Kavalbhai Patel;
4. Shri Bharatbhai Kavalbhai Patel;
5. Shri Avindkumar Kavalbhai Patel, Varachha Sheri, Reghnathpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref No. P. R. No 565.Acq.23-1041/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Ward No. 10, Nondh No. 1694 A situated at Soni Falia, Gopipura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Surat on 22-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and building bearing Ward No. 10/1694-A, situated at Soni Falia, Gopipura, Surat admeasuring 174 sq. yds, as described in the sale deed registered under registration No. 563, in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7th March, 1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref. No. P. R. No. 566 Acq.23-1042/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Ward No. 7, City Survey No. 51(A) situated at Safi Bag, Opp. Station, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Idrisbhai Alibhai Kinkhabwala; Self and P. A. Holder of :
 - i. Alibhai Abdulgafur Kinkhabwala—father.
 - ii. Amir Alibhai Kinkhabwala—brother.
 - iii. Yunus Alibhai Kinkhabwala—brother.
- (2) Shri Istiyas Alibhai Kinkhabwala; Shri Arif Alibhai Kinkhabwala; All at Nanpura, Surat. (Transferor)

- (2) Smt. Vimlaben W/of Babubhai Liladhar Popat; Shroff Building, Azad Chawk, Valsad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Wd. No. 7, City Survey No. 51(A), near Sufi Baug, Opp. Surat Rly. Station, admeasuring two fifth of 457-36-31 sq. mts. as described in the sale deed registered under registration No. 1497 registered in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th March, 1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dhirajlal Khetsibhai Shah, Mahindharpura, Vania Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parshottambhai Tulsibhai Patel; 'Ami-Zaina', Arogyanagar Athwa, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 2nd March 1978

Ref. No. P. R. No. 567.Acq.23-1043/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Ward No. 13/329, R. S. No. 52 paiki, situated at Athwa, near Narmad Society, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in July, 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 13/329, R. S. No. 52 Paiki, situated at Athwa, Near Narmad Society, Surat admeasuring 286.70 sq. mts. as described in the sale-deed Registered under registration No. 1478 in the month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th March, 1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kantaben Nandkrishna, Near Natraj Apartment, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Shantilal Kalyandas; Chhello Mohollo, Rustampura, Surat.

2. Shri Pravinchandra Chhotalal Sopariwala; Dakshini Mahollo, Gopipura, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th March 1978

Ref. No. P. R. No. 569.Acq.23-1045/19-7/77-78.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 40 paiki T. P. S. No. 6, F. Plot No. 96, C. S. No. 32 situated at Khatodra, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing R. S. No. 40 paiki T. P. S. No. 6, F. Plot No. 96, C. S. No. 32, Khatodra, Surat admeasuring 1508 sq. mts. as described in the sale-deed registered under registration No. 1438/77 in month of July, 1977 by registering Officer, Surat.

D. C. GOEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 7th March 1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Rama Kumari Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Paras Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 25th February 1978

Ref. No. 68/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 524 situated at Jeypore

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jeypore on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with structure thereon situated over Plot No. 248 & 248/1795 at Jeypore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Jeypore and registered by sale document No. 1350 dated 1-6-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Date : 25.2.78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Prafulla Kumar Mukherjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukumar Pal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref No AC-33/Acq R IV/Cal/77-78 —Whereas, I, P P SINGH, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No No 208/1, situated at Barrackpore Trunk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottnas 9 chittaks 44 s ft situated at premises no 208/1, Barrackpore Trunk Road, P S Baganagar, 24-Pgs, more particularly as per deed No 5562 P of 1977

P. P SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date . 18 2-1978.

Seal :

FORM JS—

(1) Smt. S. Rajeswari W/o Shri R. Subramanian, No. 4-A/12 Allithurai Road Trichy-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mallikai Sundiammal W/o Shri Thayumana Pillai (Represented by Power Agent: Shri M. Arunachalam Pillai) C/o Ananda Stores 168 Tanjore Road Trichy-8.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6. the 13th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 3911/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 1092/1G, Municipal Ward 2, situated at Trichy (and more fully described in the Sched. annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Trichy (Doc. No. 1349/77) in June 1977 ~~and the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—~~

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 4A/8, T. S. No. 1092/1-G, Municipal Old Ward No. 8, Trichy. (Doc. No. 1349/77-JSR I Trichy).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 13-3-78.

Seal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE GOVERNMENT OF PUBLICATIONS, DELHI, 1978



